सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 25, नई दिल्ली । रविवार, 07 अप्रैल 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

कुछ कर सकने में सफलता आती है और कुछ ना कर सकने में असफलता आती है।

03 स्कूलों में छठी से नौवीं में दाखिले के लिए आठ अप्रैल से शुरू होंगे आवेदन

06 ममता सरकार को फिर अदालत की फटकार

08 भाजपा ने उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया 45वा स्थापना दिवस

ओमनी फाउंडेशन और परिवहन विशेष का साझा प्रयास:- सड़क सुरक्षा और जाम मुक्त सड़के

"पॉट होल्स : हमारी सड़कों पर छिपे मूक हत्यारे" : अंकुर शरण

संजय बांटला

गड्ढे - सड़क की सतह पर प्रतीत होने वाले हानिकारक गड्ढे - हमारी सड़कों पर व्याप्त एक मूक महामारी के लिए जिम्मेदार हैं: दुर्घटनाओं में वृद्धि जो जीवन और आजीविका का दावा करती है। सम्मानित डॉ. अंकुर शरण के नेतृत्व में रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रकाश डालता है और अनावश्यक रूप से और अधिक लोगों की जान जाने से पहले तत्काल कार्रवाई की वकालत करता है।

गड्ढे, जो एक समय केवल परेशानी का कारण बनते थे, अब बिना सोचे-समझे मोटर चालकों के लिए घातक जाल बन गए हैं। उनसे बचने के लिए प्रत्येक झटके और मोड़ के साथ, ड्राइवरों को भाग्य के साथ एक खतरनाक नृत्य में धकेल दिया जाता है। परिणाम? विनाशकारी टकराव, बिखरी जिंदगियाँ, और रोकी जा सकने वाली त्रासदियों से टूट गए परिवार।

डॉ. शरण, गड्ढों के खतरों पर अपने भावपूर्ण संबोधन में, भयावह आंकड़ों को स्पष्ट करते हैं: हर साल, हजारों लोग इन खतरनाक सड़क गड्ढों का शिकार होते हैं। फिर भी, गंभीर आंकड़ों के पीछे हानि, दुःख और अधूरी संभावनाओं की अनकही कहानियाँ छिपी हैं। लेकिन गड्ढों का असर महज आंकड़ों से कहीं आगे तक फैला हुआ है। वे हमारे समुदायों के ताने-बाने को ख़राब करते हैं, बुनियादी ढांचे में विश्वास को ख़त्म करते हैं और यात्रियों के बीच भय के बीज बोते हैं। एक गुप्त गड्ढे से अगली मुठभेड़ के डर के बिना, जो अपने अगले शिकार का दावा करने के लिए तैयार है, कोई दैनिक आवागमन कैसे कर सकता है? इसके अलावा, गड्ढों के आर्थिक नुकसान को कम करके नहीं आंका जा सकता। वाहन की मरम्मत और चिकित्सा बिलों की तत्काल लागत के अलावा, उद्योगों पर भी इसका प्रभाव महसूस किया जा रहा है। व्यवसाय बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं और कम उत्पादकता से पीड़ित हैं, जिससे उपेक्षित सड़क रखरखाव का सामाजिक बोझ और बढ़ गया है। **यह कार्रवाई का आह्वान है जो सत्ता के गलियारों में गूंजता है: सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता दें, बुनियादी ढांचे में निवेश करें और रोकी जा सकने वाली दुर्घटनाओं को रोकें। डॉ. शरण की भावुक अपील इस मूक हत्यारे के खिलाफ लड़ाई में आशा की किरण के रूप में काम करती है। आइए हम उनकी बातों पर ध्यान दें, कहीं ऐसा न हो कि हम सड़कों पर गड्ढों को अपना घातक साम्राज्य जारी रखने दें।**

फरीदाबाद सिद्धादाता आश्रम रोड व्यू. Full of Pot Holes

गजब का होगा नया एक्सप्रेस, जयपुर से दिल्ली का सफर 33 किमी. घट जाएगा

सांकेतिक तस्वीर

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। जयपुर से दिल्ली आने और जाने में अब कम समय लगेगा। नया एक्सप्रेस-वे बन रहा है, जिससे 33 किमी दूरी घट जाएगी 10 माह में पूरा हो जाएगा। जयपुर से दिल्ली वाया बांदीकुई जाने का सफर अब 33 किमी घट जाएगा। बगराना से बांदीकुई के श्यामसिंहपुरा तक बन रहे नए एक्सप्रेस-वे से दिल्ली के लिए एक घंटा की बचत होगी। नायला रोड से आगरा रोड के बीच इस एक्सप्रेस-वे का डामरीकरण का कार्य शुरू हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि अगले 10 माह में यह काम पूरा हो जाएगा। पेट्रोल पंप बगराना के पास निर्माणाधीन 4 लेन एक्सप्रेस-वे की क्लोअर लीफ का काम शुरू हो गया है। आगरा रोड से जुड़ने में बस सिर्फ 200 मीटर रोड बननी बाकी है। फिलहाल जयपुर से दिल्ली वाया बांदीकुई जाने के लिए बस्सी से दौसा होकर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे दिल्ली-मुंबई पर चढ़ना पड़ता है। अभी तो बगराना से श्यामसिंहपुरा होते हुए बांदीकुई तक जाने में 100 किमी का सफर तय करना पड़ता है, पर इस एक्सप्रेस- वे के बनने के बाद 33 किमी की दूरी कम हो जाएगी। बगराना से बांदीकुई श्यामसिंहपुरा तक 67 किमी का ही सफर करना पड़ेगा। एक्सप्रेस-वे का सिर्फ 7 किमी सड़क का निर्माण बाकी है। नए एक्सप्रेस-वे की उंचाई करीब 7 मीटर रखी जा रही है जिससे कोई जानवर अचानक एक्सप्रेस-वे पर न आ सकें। एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की अधिकतम स्पीड लिमिट 100 किमी प्रति घंटा रखी गई है। यहां से बगराना से बांदीकुई 30 मिनट में पहुंचा जा सकेगा और बगराना से दिल्ली तक 3 घंटे में लोग पहुंच सकेंगे। फिलहाल बगराना से दिल्ली पहुंचने में 4 घंटे का समय लगता है।

दिल्ली के नरेला में कार और मालवाहक वाहन में जोरदार टक्कर, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

नरेला सेक्टर-ए-5 के सामने कार व एक मालवाहक वाहन के बीच आमने-सामने से टक्कर हो गई। काफी तेज टक्कर होने से कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के ही एक अस्पताल लेकर गए। जहां एक युवक की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। नरेला सेक्टर-ए-5 के सामने कार व एक मालवाहक वाहन के बीच आमने-सामने से टक्कर हो गई। काफी तेज टक्कर होने से कार के परखच्चे उड़ गए। कार सवार तीन लोग घायल हो गए।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पास के ही एक अस्पताल लेकर गए। जहां एक युवक की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है, जबकि दो घायलों का इलाज जारी है। पुलिस आरोपित चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच कर रही है। माल वाहक वाहन को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

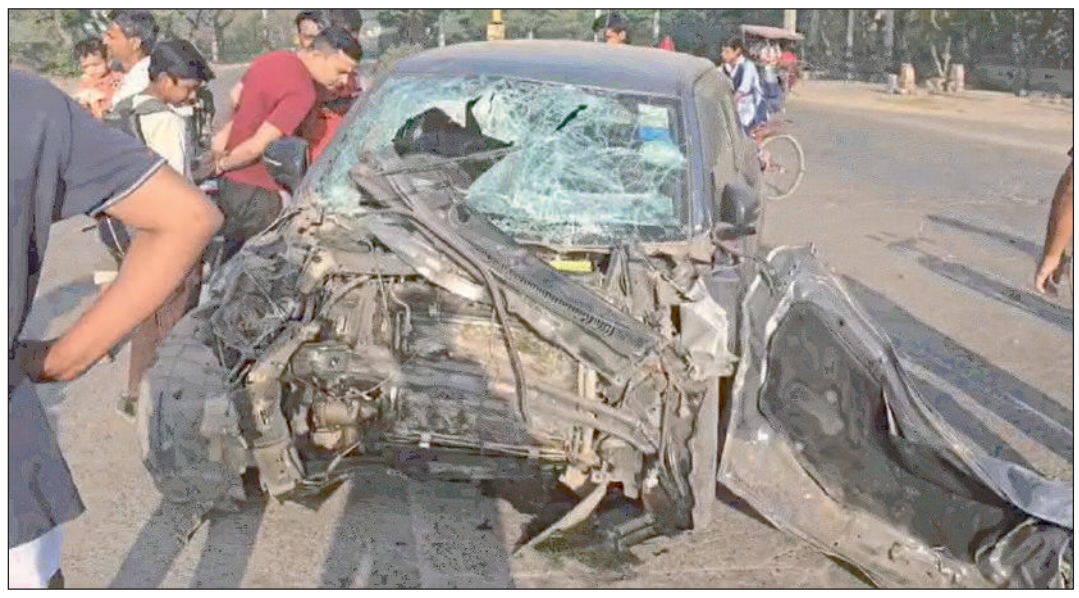

इन कल-पुर्जों का निमार्ण भारत में ही करने के लिए एक ज्वॉइंट वेचर कंपनी का गठन हो रहा है, इसके लिए एटी रेलवे और युजिन मशीनरी के बीच करार हुआ है

यहीं बनेंगे बुलेट और मेट्रो ट्रेन के कल-पुर्जे, साउथ कोरिया की दिग्गज कंपनी यहां लगा रही है फैक्ट्री

भारतीय रेलवे वैसे तो तीसरी दुनिया के देशों में काफी आगे है। लेकिन अभी भी यहां रोलिंग स्टॉक के लिए महत्वपूर्ण साजो-सामान या कल-पुर्जों का आयात करना होता है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा है। रेलवे सब सिस्टम्स बनाने वाली कंपनी एटी रेलवे ने दक्षिण कोरिया की कंपनी युजिन मशीनरी से हाथ मिलाया है। दोनों कंपनी मिल कर भारत में एक ज्वॉइन्ट वेंचर कंपनी बना रही है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली: वह जमाना याद कीजिए जबकि अपने यहां रेलवे ने जर्मन कंपनी एलएचबी के अत्याधुनिक डिब्बे मंगाए थे। इसके बाद ट्रेन के ये डिब्बे यहीं कपूरथला में बनने लगे। बाद में इन रेल डिब्बों का निर्माण आईसीएफ, चेन्नई में भी किया जाने लगा। अब तो भारत में मेट्रो रेल और रैपिड रेल के भी डिब्बे बनने लगे हैं। ये डिब्बे बनने तो लगे भारत में ही, लेकिन अभी भी इन डिब्बों के कुछ महत्वपूर्ण कल-पुर्जे विदेश से ही मंगाए जा रहे हैं। लेकिन अब कुछ महत्वपूर्ण कल-पुर्जों का इंपोर्ट नहीं करना होगा। इसके लिए साउथ कोरिया की कंपनी युजिन मशीनरी यहीं फैक्ट्री लगा रही है। इसके लिए कंपनी ने एटी रेलवे सब सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड नाम कंपनी से हाथ मिलाया है।

क्या हुआ है डेवलपमेंट

रेलवे के कंपोनेंट बनाने वाली एक कंपनी है सिडवाल रेफ्रिजरेशन इंडस्ट्रीज (Sidwal Refrigeration Industries)। यह अंबर ग्रुप की कंपनी है। इसी की होली ऑन्ड सब्सिडियरी कंपनी है एटी रेलवे सब सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (AT Railway)। इसी कंपनी ने साउथ कोरिया की कंपनी युजिन मशीनरी लिमिटेड (Yujin Machinery) से एक करार किया है। इसके तहत भारत में एक ज्वाइंट वेंचर कंपनी (Joint Venture Company) बनाने का समझौता हुआ। यह कंपनी भारत में रेल डिब्बों के लिए ड्राइविंग गियर (Driving Gears), कॅपलर (Couplers) और पेंटोग्राफ (Pantographs) जैसे महत्वपूर्ण साजो-सामान बनाएगी। इन कल-पुर्जों का उपयोग रैपिड रेल (Regional rapid transit systems) के डिब्बों, वंदे भारत ट्रेन (Vande Bharat trains) के डिब्बे, मालगाड़ी के डिब्बों (wagons), ट्राम (Trams) के डिब्बों और रेलवे के अन्य रॉलिंग स्टॉक में भी होगा। इस ज्वाइंट वेंचर में एटी रेलवे का का मेजोरिटी स्टेक होगा।

आत्मनिर्भर भारत का सपना होगा पूरा

पीएम मोदी (PM Modi) भारत को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। वह चाहते हैं कि इस समय जिन वस्तुओं का धड़ल्ले से आयात हो रहा है, उन चीजों को भारत में ही बनाया जाए। इससे एक तरफ आयात में खर्च होने वाली विदेशी मुद्रा की बचत होगी तो दूसरी तरफ भारत आत्मनिर्भर बनेगा। इन चीजों को बनाने में यहां के लोगों को रोजगार मिलगा। साथ ही इन वस्तुओं को निर्यात के दरवाजे भी खुलेंगे। क्योंकि पश्चिम के देशों के मुकाबले भारत में मजदूरी की दर कम है। इसलिए यहां किसी भी वस्तु के बनाने में खर्च कम पड़ता है।

रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेडेशन

इस समय सरकार का जोर रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के अपग्रेडेशन (Railway Infrastructure Upgradation) पर है। तभी तो साल 2024-25 के लिए संसद में पेश अंतरिम बजट में भारतीय रेल के लिए रिकार्ड 2.55 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यदि पिछले साल के बजट में रेलवे के लिए आवंटित हुई राशि की तुलना करें तो इस साल 5.8 फीसदी ज्यादा आवंटन हुआ है। मतलब साफ है कि पूरे देश में रेलवे तंत्र (Railway System) में एक बार फिर से नई जान फूंकनी है। तभी तो दुनिया भर की कंपनियां भारत आने को उत्सुक हैं। वैसे भी, भारत में रेलवे सब सिस्टम का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। अनुमान है कि अगले पांच-छह साल में यह 75 हजार से 80 हजार करोड़ रुपये के बीच होगा।

कौन है युजिन मशीनरी

साउथ को कोरिया की कंपनी युजिन मशीनरी YUJIN Machinery Ltd. की स्थापना साल 1972 में हुई है। इसका मुख्यालय दक्षिण कोरिया में ही है। यह कंपनी रेलवे के रोलिंग स्टॉक के लिए बेहतरीन कल-पुर्जे बनाने के लिए दुनिया भर में जानी जाती है। इनमें ब्रेक सिस्टम (Brake Operating Unit, Air Supply Unit, and Bogie Brake), कपलर्स, ड्राइविंग गियर, पेंटोग्राफ, डोर कंट्रोल सिस्टम आदि।

प्रेग्नेंसी में घातक है थायराइड का बढ़ना, बच्चे को हो सकता नुकसान, डॉक्टर से जानें लक्षण और बचाव के उपाय

गर्भावस्था में होने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण कई महिलाओं को थायरॉयड की समस्या हो जाती है. प्रेग्नेंसी के दौरान यह थायरॉयड पेट में पल रहे शिशु की सेहत के लिए ठीक नहीं है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कैसे नुकसानदायक? क्या हैं लक्षण? कैसे करें बचाव? इन सवालों के बारे में विस्तार बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी का समय महिलाओं के लिए जितना सुखद भरा होता है, उतना ही कठिनाई भरा भी होता है. क्योंकि गर्भावस्था के समय महिलाओं के शरीर में तेजी से बदलाव होता है, जिससे कई तरह की शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है. इन्हीं में से एक है थायरॉयड की परेशानी. जी हां, गर्भावस्था में होने वाले हार्मोनल बदलावों के कारण कई महिलाओं को थायरॉयड की समस्या हो जाती है. प्रेग्नेंसी के दौरान यह थायरॉयड पेट में पल रहे शिशु की सेहत के लिए ठीक नहीं है.

बता दें कि, थायरॉयड हमारे गले में मौजूद तितली के आकार की एक ग्रंथि होती है. यह थायरॉक्सिन हार्मोन बनाती है, जो शरीर में एनर्जी और मेटाबॉलिज्म के स्तर को कंट्रोल करता है. जब इस ग्रंथि में गड़बड़ी आने लगती है, तो थायरॉयड रोग हो जाता है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कैसे नुकसानदायक? क्या हैं लक्षण? कैसे करें बचाव? इन सवालों के बारे में विस्तार बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड क्यों नुकसानदायक?

थायरॉयड की ज्यादा मात्रा गर्भवती महिला और उसके शिशु की सेहत के लिए खराब मानी जाती है. हाइपरथायरॉयडिज्म के कुछ मामलों में महिला को उल्टियां आना या फिर जी मिचलाना जैसी दिक्कतें आ सकती हैं. थायरॉयड के कारण बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर बहुत प्रभाव पड़ता है, बच्चा असमान्य भी हो सकता है.

बॉडी को एक्टिव बनाएं रखें और डॉक्टर की सलाह पर योग और हल्के वर्कऑउट की आदत डालें. इसके अलावा, थायरॉयड पीड़ित प्रेग्नेंट महिलाओं के बच्चों को यानी नवजात शिशुओं का नियोनेटल हाइपोथायरॉयड की समस्या हो सकती हैं.

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड बढ़ने के लक्षण

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को दो तरह के थायरॉयड की समस्या हो सकती है. पहला हाइपोथायरॉयडिज्म, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि थायरॉयड ग्रंथि जरूरत से कम थायरॉयड हार्मोन का उत्पादन कर रही है. इस समस्या में वजन बढ़ाना, अत्यधिक थकान, कब्ज, ज्यादा ठंड लगना, मांसपेशियों में ऐंठन और ध्यान लगाने में दिक्कत आदि लक्षण देखने को मिलते हैं.

प्रेग्नेंसी में थायरॉयड कंट्रोल करने के उपाय

गर्भावस्था में थायरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए अपने खानपान का विशेष ध्यान रखें. साथ ही नियमित रूप से व्यायाम और योग करने से थायरॉयड को कंट्रोल करने में मदद मिल सकती है. थायरॉयड को कंट्रोल रखने के लिए नियमित रूप से दावा का सेवन करें. प्रेग्नेंसी में थायरॉयड लेवल को कंट्रोल में रखने के लिए आपको तनाव लेने से बचें, जंक फूड और शुगर युक्त चीजों का ज्यादा सेवन ना करें. इसके अलावा, समय-समय पर डॉक्टर से अपना चेकअप कराएं.

गर्भावस्था में कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना बेहद खतरनाक, 5 लक्षणों से करें बीमारी की पहचान, डॉक्टर से समझें बचाव के तरीके

प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है. प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल जरूरी है.

प्रेग्नेंसी के दौरान अच्छी डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल बेहद जरूरी है. कई बार कुछ गलत खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ता क्यों है? क्या हैं इसके जोखिम? कैसे करें लक्षणों की पहचान और क्या हैं बचाव के तरीके? इन सवालों के बारे में बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव...

प्रेग्नेंसी का समय महिलाओं के लिए जितना सुखद भरा होता है, उतना ही कठिनाई भरा भी होता है. क्योंकि गर्भावस्था के समय महिलाओं के शरीर में तेजी से बदलाव होता है. ऐसे में खुद की ठीक से देखभाल बेहद जरूरी है. इस दौरान दो चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है- पहली अच्छी डाइट और दूसरी हेल्दी लाइफस्टाइल. क्योंकि आपका खानपान आपकी और आपके बच्चे की सेहत पर सीधा असर डालती है. कई बार कुछ गलत खाने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. दरअसल, प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ना महिलाओं के लिए घातक हो सकता है. ऐसे में जरूरी है कि लक्षणों को पहचानकर समय पर डॉक्टर की सलाह लें. अब सवाल है कि प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ता क्यों है? क्या हैं इसके जोखिम? कैसे करें लक्षणों की पहचान और क्या हैं बचाव के तरीके? इन सभी सवालों के बारे में बता रही हैं डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज दिल्ली की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. ज्योति यादव'

प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कारण?

एक्सपर्ट के मुताबिक, ज्यादातर महिलाओं में प्रेग्नेंसी के समय कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की शिकायत रहती है. इस परेशानी की मुख्य वजह महिलाओं के शरीर में हार्मोनल बदलाव का होना हैं. इसी के चलते उनका कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ सकता है. दरअसल, कोलेस्ट्रॉल हमारे शरीर में एक मोम की तरह दिखने वाला चिपचिपा तरल पदार्थ है. शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कई तरह की समस्याएं जन्म दे सकती हैं, जिसमें हाई ब्लड प्रेशर और हार्ट अटैक जैसी समस्याओं का भी खतरा शामिल हैं. हालांकि हेल्दी लाइफस्टाइल और अच्छा खानपान इस परेशानी से बचाने में आपकी मदद कर सकता है.

प्रेग्नेंसी में हाई कोलेस्ट्रॉल के जोखिम

गर्भावस्था में लगातार कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना खतरनाक हो सकता है. ऐसे में इसकी पहचान कर तुरंत एक्सपर्ट की सलाह लेनी चाहिए. बता दें कि, गर्भास्था में यदि शरीर में कोलेस्ट्रॉल फी बढ़ जाए, तो इससे कई तरह की समस्याएं होने का खतरा बढ़ता है, जिसमें- हाई ब्लड प्रेशर, प्रीमैच्योर डिलीवरी, बच्चों में जेनेटिक डिसऑर्डर, हार्ट अटैक जैसी परेशानियां शामिल हैं.

हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण?

डॉक्टर के मुताबिक, प्रेग्नेंसी में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर छाती या सीने में तेज दर्द महसूस होना, उल्टी और मतली महसूस होना, हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी ज्यादा होना, सांस लेने में दिक्कत होना और बॉडी में थकान या कमजोरी महसूस होने जैसे शुरुआती लक्षण हैं. इन लक्षणों की पहचान कर तुरंत डॉक्टर की सलाह लेना बेहतर ऑप्शन है.

कोलेस्ट्रॉल से बचने के लिए इन चीजों से रखें दूरी?

गर्भावस्था में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का कोई भी कारण हो, लेकिन डॉक्टर इस दौरान किसी भी तरह की दवा का सेवन करने की सलाह नहीं देते हैं. दरअसल, प्रेग्नेंसी के दौरान दवा का सेवन करने से पेट में पल रहे बच्चे की सेहत पर असर पड़ सकता है. इसके लिए बेहतर है कि नियमित एक्सरसाइज करें, अच्छी नींद लें, पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं, साबुत अनाज खाएं, फल-सब्जियों का सेवन करें और धूम्रपान-शराब से दूरी रखें.

वक्त पर पकड़ना है काला मोतिया तो एक बार करें ये काम, पॉल्यूशन का जंजाल होगा खत्म

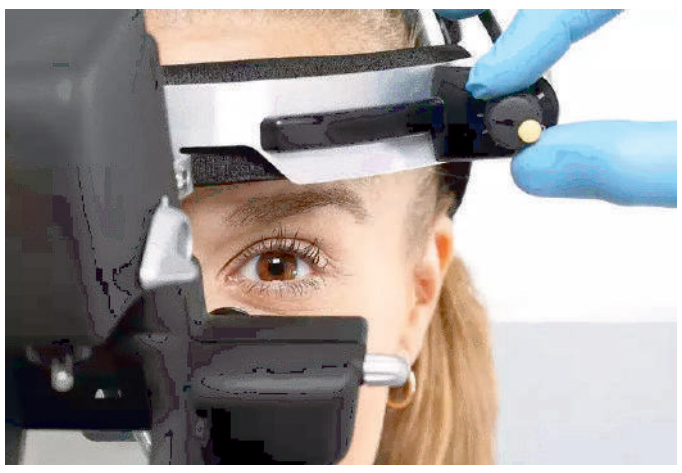

पॉल्यूशन के कारण लोगों को आंखों में जलन, एलर्जी और गले में खराश जैसी परेशानियां हो रही हैं। इससे बचने के लिए विशेष टिप्स दिए गए हैं। आंखों की जांच और डाइलेट करने से आंखों की परेशानियों को समझना आसान होता है। मोबाइल का अधिक इस्तेमाल मायोपिया को बढ़ावा देता है।

पॉल्यूशन ने अपना जोर लगाया हुआ है। लोगों को इस वजह से आंखों में जलन, सांसों की परेशानी, एलर्जी की शिकायत, गले में खराश समेत तमाम तरह की परेशानियों ने घेर रखा है। साथ ही मौसम बदल रहा है और त्योहारों का सीजन भी चल रहा है।

ऐसे में इस बार हम आपके लिए लेकर आए हैं सेहतमंद बने रहने के लिए बेस्ट टिप्स। इन्हें अपनाकर आप खुद को अच्छी सेहत का तोहफा दे सकते हैं।

1. साल में एक बार आई चेकअप

साल में एक बार आंखों की जांच होनी चाहिए, वह भी आंखों को डाइलेट करके। आजकल कंप्यूटर के माध्यम से टेस्टिंग होती है। लेकिन आंखों की अंदरूनी परेशानी का पता लगाने के लिए डाइलेट करने के खास लिक्विड (Tropicamide, Phenylephrine Hydrochloride) की चंद बूंदें आंखों में डाली जाती हैं।

इससे डॉक्टर को आंखों के भीतरी हिस्से, नसें आदि अच्छी तरह दिख जाती हैं। इससे आंखों की परेशानियों को समझना आसान हो जाता है। इस जांच का चलन ज्यादातर शुगर पेशेंट्स और उम्र से जुड़ी परेशानियों में होता है।

फिर भी इस तरह की जांच सभी के लिए होनी चाहिए। 40 साल की उम्र के बाद हर साल आंखों का प्रेशर जरूर चेक कराएं। इससे काला मोतिया वक्त पर पकड़ में आ जाता है।

2. मोबाइल से दूरी

मोबाइल की जरूरत सभी को है। काफी संख्या में बच्चे, बड़े, बुजुर्ग ऐसे हैं, जिनकी यह जरूरत लत बन गई है। लेकिन 6 से 13 साल तक के बच्चों के लिए मोबाइल बड़ी परेशानी पैदा कर रहा है। इससे मायोपिया हो रहा है।

इसमें दूर की निगाह कमजोर हो जाती है। किसी शख्स को 6 फुट की दूरी पर मौजूद कोई भी ऑब्जेक्ट साफ दिखाई न दे तो इसका मतलब है कि वह मायोपिया का शिकार हो सकता है।

ज्यादातर बच्चे मायोपिया वाले ही होते हैं। आम रुटीन में हम एक मिनट में 20 से 25 बार पलकों को झपकाते हैं, लेकिन स्क्रीन देखते समय यह महज 5 से 7 बार रह जाती है।

3. 20:20:20 फॉर्मूला

अगर कोई शख्स किसी से बात कर रहा हो, कहीं जा रहा हो तो वह स्वाभाविक तौर पर कभी नजदीक तो कभी दूर देखता रहता है। लगातार नजदीक देखने का मसला नहीं बनता। लेकिन जब कोई शख्स लगातार मोबाइल या लैपटॉप आदि की स्क्रीन को देखता रहता है तो 'दूरदर्शन' की जरूरत होती है। इसलिए ऐसे शख्स को 20:20:20 फॉर्मूले पर अमल करना जरूरी है यानी हर 20 मिनट बाद 20 बार पलकें झपकना, फिर लगातार 20 सेकंड तक 20 फुट या इससे दूर देखना चाहिए।

इससे आंखों को आराम मिलता है। साथ ही ड्राइ आंखों की परेशानी भी कम होती है। इसके अलावा स्क्रीन पर काम करते हुए बार-बार पलकें झपकाएं। याद रखें, हर 5 सेकंड में एक बार पलकें झपकनी चाहिए।

रावण और शिवलिंग में क्या कोई संबंध है?

"रावण" शब्द सुनते ही लोगों के मन में रावण और भगवान राम के युद्ध का ख्याल आता है। रावण को अधिकतर लोग राक्षस, दैत्य और अत्याचारी के रूप में जानते हैं, लेकिन बता दें कि शास्त्रों में रावण को महान विद्वान, प्रकांड पंडित, महाप्रतापी, राजनीतिज्ञ, महापराक्रमी योद्धा और अत्यंत बलशाली के नाम से भी जाना जाता है। कौन था रावण पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण ऋषि विश्रवा और कैकसी का पुत्र था। रावण की माता कैकसी क्षत्रिय राक्षस कुल की थीं। ऐसे में एक ब्राह्मण और राक्षस के मिलन से ब्रह्मराक्षस का जन्म हुआ था। रावण में क्षत्रिय और राक्षसी दोनों गुण कूट-कूट के भरा था। लेकिन इन सभी के अलावा रावण एक परम शिव भक्त भी था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रावण का जन्म देवगण परिवार में हुआ था। क्योंकि रावण के पिता एक महान ऋषि थे और उनके दादा ऋषि पुलस्य ब्रह्मा के दस मानस पुत्रों में एक थे। पौराणिक कथाओं के अनुसार, दैत्यों के राजा सुमाली और कैकसी के पिता की इच्छा थी कि उनकी बेटी कैकसी की शादी दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के साथ हो।

रावण का नाम कैसा पड़ा "रावण"

शिव पुराण के अनुसार, रावण भगवान शिव का सबसे परम और प्रिय भक्त था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, रावण लंका पर विजय के बाद भगवान शिव से मिलने के लिए कैलास पर्वत पर गया। कैलास पर्वत पर भगवान शिव के वाहन नंदी ने रावण को रोक दिया। नंदी के रोकने के बाद रावण नाराज हो गया और नंदी को चिढ़ाने लगा। रावण के चिढ़ाने पर नंदी महाराज क्रोधित हो गए और रावण को श्राप दिया कि जिस लंका पर तुम घमंड कर रहे हो उसको नष्ट एक वानर करेगा।

माना जाता है कि भगवान शिव के सामने रावण अपना प्रेम दिखाने के लिए कैलास पर्वत को ही उठा लिया और कहा कि अब भगवान शिव और पूरे कैलास को ही लंका लेकर जाऊंगा। रावण के अहंकार को देखकर भगवान शिव ने कैलास पर अपने पैर की छोटी अंगुली रख दी। भगवान शिव के अंगुली रखते ही कैलास पर्वत अपनी जगह वापस स्थापित हो गया।

लेकिन इसी बीच रावण का हाथ कैलास पर्वत के नीचे दब गया। बता दें कि कैलास पर्वत का पूरा भार रावण के हाथ पर आ गया, जिससे वह दर्द से चिल्लाने लगा। तब जाकर रावण को अपनी गलती का अहसास हुआ और उसी समय अपनी नसों को तोड़ कर तार की तरह इस्तेमाल करते हुए संगीत बनाया। भगवान शिवकी महिमा का गुणगान करने लगा।

कहा जाता है कि इस बीच रावण ने शिव तांडव स्त्रोत रचा था। रावण के असीम भक्ति को देखकर भगवान शिव प्रसन्न हो गए और रावण को क्षमा कर दिया। इसके साथ ही भगवान शिव ने रावण को एक दिव्य तलवार चंद्रहास भी दी। शिव पुराण के अनुसार, इन सभी घटनाओं के बीच महादेव ने रावण को नाम "रावण" दिया। रावण का अर्थ तेज दहाड़ होता है।

पूजा में आसन का महत्व

हमारे धर्म शास्त्र अपने आप में संपूर्ण विज्ञान है व हमारे शास्त्रों में कुछ भी अन्यथा नहीं है, सनातन शास्त्र की पहुंच इतनी दिव्य व अनंत है जहां तक आधुनिक विज्ञान सोच भी नहीं सकता। हमारी सनातन संस्कृति, शास्त्रों व परंपराओं में छोटी से छोटी वस्तु के उपयोग के पीछे भी पूरा विज्ञान है। हम सभी अपने घर में पूजा-पाठ हमेशा किसी आसन पर बैठकर करते हैं। लेकिन आसन के कुछ विशेष नियम हैं, जिनके बारे में हर किसी को जानकारी नहीं होती. ऐसे में कोई भी आसन किसी भी पूजा में इस्तेमाल कर लेते हैं. लेकिन वास्तव में पूजा के लिए कुछ खास आसनों को उपर्युक्त माना गया है, जैसे-:

1.आसन बिछाना क्यों जरूरी है-:

इसके पीछे वैज्ञानिक कारण है धरती की चुम्बकीय शक्ति यानी गुरुत्वाकर्षण शक्ति. जब कोई साधक ध्यानमग्न होकर विशेष मंत्र का जाप करता है तो उसके अंदर एक सकारात्मक ऊर्जा उत्पन्न होती है, अगर आसन नहीं बिछाया जाए तो ये ऊर्जा गुरुत्वाकर्षण शक्ति की वजह से धरती में समाहित हो जाती है और आपको इसका कोई लाभ नहीं मिल पाता, इसलिए पूजा के दौरान आसन बिछाना जरूरी माना गया है. लेकिन आसन ऐसा होना चाहिए जो ऊर्जा का कुचालक हो।

2. इन आसनों का प्रयोग सही नहीं-:

अब सवाल उठता है कि आखिर कैसा आसन पूजा के लिए उपर्युक्त है क्योंकि आजकल जैसे प्लास्टिक की चटाई, दरी, पटी आदि के बहुत सारे आसन बाजार में बिकते हैं. लेकिन इन्हें शास्त्र सम्मत नहीं माना गया है।

3.सर्वोत्तम आसन-:

कंबल का आसन उत्तम है, और सबसे शुद्ध और पवित्र आसन कुशा का भी माना गया है. कुश आसन पर बैठकर मंत्र जप करने से अनंत गुना फल प्राप्त होता है. कुश और कंबल आसन दूसरों के गुण दोष स्वीकार नहीं करते. इसलिए इन्हें सबसे अच्छा आसन माना गया है।

4.दूसरे का आसन प्रयोग न करें-:

आसन के नियमों के अनुसार ये हमेशा आपका व्यक्तिगत होना चाहिए. कभी किसी दूसरे का आसन न तो प्रयोग में लेना चाहिए और न ही अपना आसन उसे प्रयोग के लिए देना चाहिए. क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति की चित्तवृत्ति भिन्न होती है और आसन पर चित्तवृत्ति का प्रभाव शेष रहता है. दूसरे का आसन प्रयोग करने से उसकी चित्तवृत्ति का असर आप पर भी पड़ेगा. इसलिए बाहर जाने पर भी यदि संभव हो तो अपना ही आसन साथ लेकर जाएं।

5.रंगों का भी महत्व-:

अगर आप नियमित पूजा के लिए लाल, पीला, सफेद आसन प्रयोग करें। लेकिन अगर कोई विशेष साधना करनी है, तब आसन के रंगों का चुनाव उसी अनुरूप करना चाहिए. सुख शांति, ज्ञान प्राप्ति, विद्या प्राप्ति और ध्यान साधना के लिए पीला आसन श्रेष्ठ माना गया है। वहीं शक्ति प्राप्ति, ऊर्जा, बल बढ़ाने के लिए मंत्रों को जपते समय लाल रंग के आसन का प्रयोग करें।

महाकाली, भैरव की पूजा साधना में काले रंग के आसन का प्रयोग किया जाता है। शत्रु नाश के लिए की जाने वाली साधना में भी काले आसन और लाल आसन का प्रयोग मंत्र के अनुसार प्रयोग में लिया जाता है। वर्तमान समय में कुश आसन मिलना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, ऐसे में सामान्य पूजा के लिए कंबल आसन सर्वोत्तम है।

आसन छोड़कर उठना भी गलत-:

पूजा के बाद आसन को यूं ही छोड़कर उठना भी गलत माना गया है. उठने से पहले धरती पर दो बूंद जल डालें इसके बाद धरती को प्रणाम करें. फिर जल को मस्तक से लगाएं. इसके बाद आसन को उठाकर यथा स्थान रखें, ऐसा करने से आपको अपनी साधना का पूर्ण फल मिलेगा।।

किसी भी पूजा-उपासना को शास्त्र में बताएं गये नियम के अनुसार करने से उसके पूरे लाभ निश्चित मिलते हैं।।

स्कूलों में छठी से नौवीं में दाखिले के लिए आठ अप्रैल से शुरू होंगे आवेदन

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में नान प्लान दाखिला के तहत छठवीं से नौवीं की कक्षाओं में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया आठ अप्रैल से शुरू होगी। शिक्षा निदेशालय के अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया तीन चरणों में होगी। 12 अगस्त को दाखिले के लिए आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी और 13 अगस्त से 31 अगस्त तक विद्यार्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा।

नई दिल्ली। राजधानी के सरकारी स्कूलों में नान प्लान दाखिला के तहत छठवीं से नौवीं तक की कक्षाओं में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया आठ अप्रैल से शुरू होगी। शिक्षा निदेशालय के अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया तीन चरणों में चलेगी।

पहले चरण के तहत आवेदन प्रक्रिया आठ अप्रैल से शुरु होकर 17 अप्रैल तक चलेगी। 29 अप्रैल को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी। 30 अप्रैल को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों में दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। दूसरे चरण के तहत आवेदन प्रक्रिया 15 मई से शुरु होकर 15 जून तक चलेगी।

विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों की सूची जारी

27 जून को विद्यार्थियों को आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी और 28 जून से छह जुलाई तक विद्यार्थी आवंटित स्कूलों में पहुंचकर दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं। 10 जुलाई से 31 जुलाई तक को तीसरे चरण के तहत विद्यार्थी दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे।

ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा

12 अगस्त को दाखिले के लिए आवंटित स्कूलों की सूची जारी होगी और 13 अगस्त से 31 अगस्त तक विद्यार्थियों को दस्तावेजों का सत्यापन कराना होगा। दाखिले के लिए अभिभावकों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा।

हालांकि, अगर अभिभावकों को फार्म भरने में कोई समस्या होती है तो उनके लिए स्कूलों में हेल्प डेस्क स्थापित किया जाएगा जहां पर वो फार्म भरने को लेकर मदद ले सकते हैं।

सीआईएससीई बोर्ड ने ग्यारहवीं-बारहवीं के सिलेबस में किया बदलाव, अब पढ़ने पढ़ेंगे ये सब्जे

सीआईएससीई
काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन
(CISCE)

परिवहन विशेष नई दिल्ली। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेशन एग्जामिनेशन (सीआईएससीई बोर्ड) ने ग्यारहवीं व बारहवीं के सिलेबस को बदला है। बारहवीं के लिए सत्र 2025 व ग्यारहवीं के लिए सत्र 2024-25 से संशोधित किया गया है। इसके अंतर्गत बारहवीं के 12 विषयों व ग्यारहवीं के चार विषयों का सिलेबस शामिल है। सीआईएससीई बोर्ड के स्कूलों में इसी संशोधित सिलेबस के आधार पर पढ़ाई कराई जाएगी। बोर्ड की ओर से इस संबंध में जानकारी स्कूलों को भेज दी गई है।

मालूम हो कि हाल ही में सीबीएसई की तीसरी से छठी कक्षा के पाठ्यक्रम में बदलाव किए गए हैं। अब सीआईएससीई ने सिलेबस में संशोधन की जानकारी दी है। दसवीं पास करने करने वाले व 11 वीं की पढ़ाई शुरु करने से पहले छात्र इस सिलेबल को देख सकते हैं। बोर्ड ने इसे अपनी वेबसाइट पर भी उपलब्ध करा दिया है।

बारहवीं में जिन विषयों का सिलेबस संशोधित किया गया है, उनमें भौतिकी, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथमेटिक्स, कॉमर्स, अकाउंट्स, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, सोशियोलॉजी, साइकोलॉजी, लीगल स्टडीज जबकि ग्यारहवीं के केमिस्ट्री, बॉयोलॉजी, मैथमेटिक्स व इतिहास विषय शामिल है। बोर्ड की ओर से सत्र की शुरुआत में ही जानकारी जारी कर दी गई है, जिससे कि छात्रों को यह पता हो कि उन्हें क्या और कैसे पढ़ना है।

मनी लॉन्ड्रिंग का पूरा अपराध सिसोदिया के बिना नहीं था संभव, पूर्व डिप्टी सीएम को लेकर कोर्ट में बोली ईडी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया (Manish Sisodia) की जमानत याचिका का ईडी ने विरोध किया। राउज एवेन्यू कोर्ट में विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में सुनवाई के दौरान ईडी ने सिसोदिया की याचिका पर दलील दी कि आरोपित गंभीरता से विचार न करने वाला आवेदन दायर कर मुकदमे में देरी करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ईडी की ओर से पेश अधिवक्ता ने कहा कि मामले में आए दिन नए नाम सामने आ रहे हैं और गिरफ्तारियां की जा रही हैं। सिसोदिया इस आधार पर जमानत की मांग नहीं कर सकते कि मुकदमे की सुनवाई में देरी हो रही है।

ईडी की ओर से तर्क दिया गया कि मनी लॉन्ड्रिंग का पूरा अपराध आरोपित मनीष सिसोदिया के बिना संभव नहीं हो सकता था, वह आबकारी नीति बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका में थे।

मुकदमे में देरी अभियुक्त की ओर से

ईडी के अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने कहा कि मुकदमे में अगर किसी भी तरह की देरी हुई है, तो यह अभियुक्त की ओर से है, न कि अभियोजन पक्ष के कारण। ईडी मामले में अपनी आगे की दलीलें 10 अप्रैल को रखेगी। ईडी ने कहा कि बीते कुछ हफ्तों में इस मामले से जुड़े 31 आरोपितों द्वारा कुल 95 आवेदन दायर किए गए थे।

हल्के आवेदन समय बर्बाद करते हैं- ईडी

कई आवेदन एक जैसे हैं। अकेले सिसोदिया ने छह आवेदन दायर किए हैं। अधिवक्ता ने कहा कि इस तरह के हल्के आवेदन समय बर्बाद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ईडी ने कहा कि आरोपितों की ओर से दायर तुच्छ आवेदनों के जवाब देने के साथ-साथ मामले की जांच करने व दस्तावेज का निरीक्षण करने में ईडी के ऊपर अतिरिक्त भार पड़ता है। दस्तावेज की जांच में इससे देरी हो रही है।

इससे पहले सोमवार को सुनवाई के दौरान सिसोदिया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मोहित माथुर ने जमानत देने के लिए ट्रिपल टेस्ट पर दलील दी थी कि सिसोदिया सभी शर्तों को पूरा करते हैं। सिसोदिया को 26 फरवरी, 2023 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

इसके बाद नौ मार्च 2023 को ईडी ने भी उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दोनों मामलों में उनकी जमानत याचिका ट्रायल कोर्ट, दिल्ली हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी समीक्षा और सुधारात्मक याचिकाएं भी खारिज कर दी थीं। उन्होंने बीते माह ट्रायल कोर्ट के समक्ष नई जमानत याचिका दायर की है।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ी

आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में अदालत ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 18 अप्रैल तक बढ़ा दी। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर शनिवार को उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष पेश किया गया।

वहीं, मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहा राज्यसभा सदस्य संजय सिंह भी अदालत में पेश हुए। 19 मार्च को अदालत ने दोनों की न्यायिक हिरासत छह अप्रैल तक बढ़ाई थी और अदालत के समक्ष पेश होने को कहा था। संजय सिंह के अधिवक्ता ने अदालत में कहा कि ईडी उन्हें मामले से जुड़े दस्तावेज देने में देरी कर रही है। ईमेल का जवाब नहीं दिया जा रहा है।

दिल्ली में 100 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या बढ़ी, घर बैठे कर सकेंगे मतदान

परिवहन विशेष नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इस बार बीते लोकसभा चुनाव की तुलना में 10 गुणा अधिक संख्या में 100 साल से अधिक उम्र के मतदाता मतदान करेंगे। दिल्ली में 100 साल या इससे अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 1004 है। ऐसे बुजुर्गों के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से लोकसभा चुनाव में मतदान की विशेष व्यवस्था की जाएगी। ऐसा देखा गया है कि बुजुर्ग मतदाताओं में युवाओं की अपेक्षा मतदान के लिए ज्यादा उत्साह रहता है। यही वजह है कि उन्हें मतदान करने के लिए जागरूक नहीं करना पड़ता है और अगर संभव होता है तो वे व्हीलचेयर, लाठी या फिर अन्य किसी सहारे के माध्यम से कैसे भी मतदान केंद्रों पर मत प्रयोग करने के लिए पहुंच जाते हैं।

निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि जो बुजुर्ग चलने में असमर्थ हैं, उनके लिए घर पर ही मतदान केंद्र बनाया जाएगा। वहीं जो लोग मतदान केंद्रों तक आना चाहते हैं, उनके लिए व्हीलचेयर, ई-रिक्शा की भी व्यवस्था की जाएगी। राजधानी में बुजुर्ग मतदाताओं की संख्या पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में 10 गुना से ज्यादा बढ़ी है और वर्तमान में इनकी संख्या 1004 है, जिनमें 541 पुरुष जबकि 463 महिला मतदाता हैं।

ऐसे में इन वृद्धों के शत-प्रतिशत मतदान को सुनिश्चित करने के लिए इस बार विशेष प्रबंध किए जा रहे हैं, ताकि कोई भी वयोवृद्ध मतदान करने से न चूके। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की तरफ से बुजुर्गों के मतदान के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। ताकि सभी बुजुर्ग मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकें।

आपसी सहमति से संबंध बनाने के बाद नहीं लगा सकते दुष्कर्म का आरोप, दिल्ली हाईकोर्ट ने क्यों दिया ये फैसला

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जब महिला आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाने का निर्णय लेती है और इसके परिणामों को जानती हो तो उसे गलत धारणा पर आधारित सहमति नहीं कहा जा सकता। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की पीठ ने कहा कि जब तक कोई स्पष्ट सुबूत न हो तब तक सहमति को गलत धारणा पर आधारित कहना उचित नहीं है।

नई दिल्ली। आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंध से जुड़े दुष्कर्म मामले में दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने को लेकर दायर याचिका का निपटारा करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि जब महिला आपसी सहमति से शारीरिक संबंध बनाने का निर्णय लेती है और इसके परिणामों को जानती हो तो उसे गलत धारणा पर आधारित सहमति नहीं कहा जा सकता।

न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता की पीठ ने कहा कि जब तक कोई स्पष्ट सुबूत न हो तब तक सहमति को गलत धारणा पर आधारित कहना उचित नहीं है। सहमति को लेकर किया गया वादा तत्काल प्रासंगिक होना चाहिए और इसका महिला के यौन कृत्य में शामिल होने के निर्णय से सीधा संबंध होना चाहिए।

आपसी सहमति से कोर्ट मैरिज कर ली

याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता और उसने अदालत की कार्यवाही के दौरान ही आपसी सहमति से कोर्ट मैरिज कर ली और वो दोनों खुशी-खुशी रह रहे हैं।

आरोपित की ओर से विवाह के लिए अनिच्छा

शिकायतकर्ता ने अदालत को बताया कि वह गलत धारणा के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहती थी क्योंकि परिवार के विरोध के कारण आरोपित की ओर से विवाह के लिए अनिच्छा थी। शिकायतकर्ता ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराकर आरोप लगाया था कि आरोपित ने विवाह के बहाने उसके साथ बार-बार शारीरिक संबंध बनाए और बाद में ऐसा करने में असमर्थता जताई।

साइबर ठगी करने वाला बदमाश रायपुर से गिरफ्तार

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में मशीन और उसके पार्ट्स बनाने वाली एक नामी कंपनी के नाम पर साइबर ठगी करने वाले बदमाश को उत्तर-पूर्वी जिला के साइबर थाना पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नालंदा, बिहार निवासी रोशन कुमार (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से सात मोबाइल, सातसिमकार्ड, चार एटीएम, फर्जीस्टैंप और अन्य कागजात बरामद किए हैं। आरोपी ने लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए फेसबुक के अलावा दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बेहद कम रुपयों में मशीन देने का विज्ञापन डाला हुआ था। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला है कि आरोपी ने देशभर के करीब 20 से अधिक लोगों से लाखों रुपये की ठगी की है। पुलिस आरोपी के बैंक खातों की पड़ताल कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने अब तक कितने लोगों के साथ ठगी की है। आरोपी पिछले करीब एक साल से वारदात को अंजाम दे रहा था। उत्तर पूर्वी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि पिछले दिनों नईम पाशा (46) नामक कारोबारी ने 5.70 लाख रुपये ठगी की शिकायत साइबर थाने में की थी। पीड़ित ने बताया कि अपने काम के लिए कुछ मशीन और उसके पार्ट्स चाहिए थे। 21 अगस्त 2023 को उन्होंने फेसबुक पर एक विज्ञापन देखा। उसमें छत्तीसगढ़, रायपुर की नामी कंपनी की ओर से मशीन और पार्ट्स बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराने की बात की गई थी। नईम उनके झांसे में आ गए।

एमबीएसएस छात्रा के साथ छेड़छाड़ के आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ होगी कार्रवाई, उपराज्यपाल ने दी मंजूरी

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यौन उत्पीड़न के आरोपी मेडिकल कॉलेज के सहायक प्रोफेसर को तत्काल निलंबित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शनिवार को राजनिवास के अधिकारियो ने इसकी जानकारी दी। मामला दिल्ली सरकार द्वारा संचालित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज का है। मार्च में 22 वर्षीय एमबीबीएस छात्रा ने प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

नई दिल्ली : दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने यौन उत्पीड़न के आरोपी मेडिकल कॉलेज के सहायक प्रोफेसर को तत्काल निलंबित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। शनिवार को राजनिवास के अधिकारियो ने इसकी जानकारी दी। मामला दिल्ली सरकार द्वारा संचालित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज का है।

मार्च में 22 वर्षीय एमबीबीएस छात्रा द्वारा प्रोफेसर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सहायक प्रोफेसर के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस ने मामले में आरोप पत्र भी दायर किया था।

सक्सेना ने कहा कि उन्होंने सहायक प्रोफेसर को निलंबित करने और उनके खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने के प्रस्ताव पर विचार किया है। उन्होंने कहा कि यौन उत्पीड़न की चौंकाने वाली घटनाएं एक मेडिकल कॉलेज में हुई थी, इसलिए मेडिकल कॉलेज की आंतरिक शिकायत समिति की सिफारिश के अनुसार आरोपी का केवल ट्रांसफर छात्रों के लिए डराने वाले माहौल को कम नहीं करेगा।

तिहाड़ जेल में रहकर AAP सांसद संजय सिंह का वजन घटा या बढ़ा? रिपोर्ट में हुआ खुलासा

नई दिल्ली : आम आदमी पार्टी तिहाड़ जेल में सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप लगातार लगाती रही है। मगर आप नेता व संजय सिंह का जेल में वजन छह किलो बढ़ गया है। यहां तक कि जेल जाने के समय उनका जो ब्लड प्रेशर (बीपी) बढ़ा हुआ था वह भी छह माह में सामान्य पर आ गया। यहां बता दें कि संजय सिंह को जमानत मिलने पर तीन अप्रैल को तिहाड़ से छोड़ा गया था। उस समय भी वह आईएलबीएस में इलाज करा रहे थे। भाजपा ने उनकी बीमारी पर सवाल उठाया है।

भाजपा ने कसा तंज

भाजपा के प्रदेश मंत्री नेता हरीश खुराना ने एक्स पर पोस्ट कर तंज कसा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन कम होने की बात कहने वाली आम आदमी पार्टी को यह बताना चाहिए कि संजय सिंह की किस तरह जेल में खातिरदारी हुई है कि उनका वजन एक-दो किलो नहीं बल्कि छह किलो बढ़ गया है।

उन्होंने कहा कि तिहाड़ जेल दिल्ली सरकार के अंतर्गत है तो आप और आप की सरकार दोनों का वजन बढ़ने के बारे में स्पष्ट करना चाहिए।

गाजियाबाद में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब, खुली जीप में सीएम योगी भी रहे मौजूद; फूलों की बारिश के बीच लगे जयकारे

PM Modi Road Show in Ghaziabad पीएम मोदी का गाजियाबाद में आज पहला रोड शो है। पुलिस ने सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत कर दिया है। प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए लोगों में गजब का उत्साह दिख रहा है। रोड शो मालीवाड़ा से शुरू हुआ है और चौधरी मोड़ पर खत्म करेंगे। शो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हैं। भाजपा कार्यकर्ता पीएम मोदी का मुखौटा भी पहने हुए हैं।

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार लगभग 05:40 बजे से रोड शो शुरू कर दिया। रोड शो में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद हैं। जिस कार पर वो सवार हैं, वो भगवा रंग में रंगी हुई है।उनके साथ में प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और मौजूदा सांसद जनरल वीके सिंह भी हैं। साथ में भाजपा उम्मीदवार अतुल गर्ग भी हैं।

लोगों का उमड़ा हुजूम

पीएम मोदी का होड शो आगे बढ़ता जा रहा है। कार्यकर्ता अबकी बार, 400 पार के नारे लगा रहे हैं। जहां से भी रोड शो गुजर रहा है, आसपास का ट्रैफिक रोक दिया जा रहा है।

जय श्री राम के जयकारे लग रहे

पीएम मोदी के रोड शो में जय श्री राम के जयकारे लग रहे हैं। उनकी झलक पाने के लिए हजारों लोग मौजूद हैं।

गाजियाबाद में पुलिस ने सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर रखी है। कई मार्गों को बंद कर दिया गया है। पीएम मोदी के गाजियाबाद आगमन पर भाजपा कार्यकर्ता और पीएम मोदी के प्रशंसक काफी उत्साहित हैं।

यातायात रोका गया

हिंडन एयरफोर्स के बाहर रूट पर पुलिस अलर्ट हो गई है। सभी मोड़ और चौराहों पर पुलिस ने रस्सा लेकर रास्ता रोक लिया है। पीएम हिंडन एयर फोर्स स्टेशन से रोटरी गोल चक्कर, जीटी रोड होते हुए मालीवाडा पहुंचेंगे। मोहन नगर से अर्थला की ओर जाने वाला यातायात रोक दिया गया है।

हर पचास मीटर पर स्वागत के लिए मंच

रोड शो के लिए इसुजू डी-मैक्स (ओपन एसयूवी) को फूलों से सजाया गया है। सड़क के दाहिनी तरफ सबसे पहला मंच महंत नारायण गिरी का है। यहां पर मंत्रोच्चार ह्यो रहा है। 50-50 मीटर की दूरी पर स्वागत के लिए मंच लगाए गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गाजियाबाद के हिंडन एयरफोर्स स्टेशन पर हेलीकॉप्टर से उतर गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस लाइन से सीधे हिंडन पहुंचे हैं। थोड़ी देर में पीएम मोदी रोडशो शुरू करेंगे।

इसी कार से करेंगे रोड शो

पीएम मोदी भगवा रंग की खुली जीप (इसुजू की डी-मैक्स) में रोड शो करते हुए नजर आएंगें। यह वाहन शुक्रवार को गाजियाबाद में पुलिस लाइन मंगाया जा चुका है। वाहन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ गाजियाबाद से भाजपा के प्रत्याशी अतुल गर्ग उपस्थित रहेंगे।

प्रधानमंत्री के रोड शो को लेकर हापुड़ रोड, जीटी रोड और आंबेडकर रोड पर सभी कट पर पुलिसकर्मी तैनात हैं। पुराने बस अड्डे से मेरठ, बुलंदशहर और मुजफ्फरनगर के लिए बसों का संचालन हो रहा है, लेकिन यात्रियों की संख्या और डाइवर्जन के कारण कई बसें स्टेशन के अंदर ही खड़ी हुई हैं।

जिस रोड से पीएम मोदी निकलेंगे उसके आसपास लोग जुट गए हैं। कई लोग मुखौटा पहनकर आए हैं। उन्हें देखने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक उत्साहित हैं।

शनिवार को चिलचिलाती धूप से लोग बेहाल, अगले हफ्ते 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंचेगा पारा

अप्रैल महीना शुरू होते ही सूरज की तपिश भी बढ़ गई है। दोपहर में हो रही तेज धूप लोगों के पसीने छुड़ा रही है हालांकि साथ में चलने वाली हवा कुछ राहत जरूर दे रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह गर्मी आने वाले हफ्ते में और बढ़ सकती है। अलर्ट के अनुसार शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 20 .2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नई दिल्ली। अप्रैल महीना शुरू होते ही सूरज की तपिश भी बढ़ गई है। दोपहर में हो रही तेज धूप लोगों के पसीने छुड़ा रही है, हालांकि साथ में चलने वाली हवा कुछ राहत जरूर दे रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि यह गर्मी आने वाले हफ्ते में और बढ़ सकती है।

मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार शनिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के लिए सामान्य है। वहीं सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 46 फीसदी रही।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिन के दौरान तेज सतही हवाएं चलने का अनुमान लगाया था, जो सही साबित हुआ है। जबकि अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

IMD के अनुसार ऐसा रहेगा रविवार का मौसम

मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी आकाश साफ रहेगा। 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

एक्सप्रेस वे पर अज्ञात वाहन ने कार में मारी टक्कर, एक की मौत; तीन घायल

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर जीरो प्वाइंट के समीप शुक्रवार को सड़क किनारे खड़ी ईको कार में पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

ग्रेटर नोएडा। नॉलेज पार्क कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे पर जीरो प्वाइंट के समीप शुक्रवार को सड़क किनारे खड़ी ईको कार में पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।

हादसे में कार सवार एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों का नजदीक के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जीरो प्वाइंट के पास खड़ी थी कार

नॉलेज पार्क कोतवाली पुलिस के मुताबिक शुक्रवार को ईको कार जीरो प्वाइंट के समीप सड़क किनारे खड़ी थी। बताया जा रहा है कि कार चालक सवारी के इंतजार में था।

इस दौरान पीछे से किसी अज्ञात वाहन द्वारा इको कार में टक्कर मार दी गई। हादसे में कर सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए राजी रन घटना की सूचना पुलिस को दी इसके बाद 108 नंबर एंबुलेंस मौके पर पहुंचे और घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

तीन लोगों का चल रहा है इलाज

डॉक्टर ने कार सवार यात्री को मृत घोषित कर दिया जिसकी पहचान प्रेम सिंह निवासी ग्राम भरतपुर, थाना किसनी, जिला मैनपुरी के रुप में हुई है। हादसे में घायल तीन लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस आरोपित अज्ञात वाहन की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

युवकों की एक गलती की वजह से कूड़े की ढेर में लगी आग, चार गाड़ियां जलकर स्वाह

गुरुग्राम के पुराना दिल्ली रोड स्थित राजपूत वाटिका के पीछे रेजिडेंशियल एरिया में कूड़ों के ढेर में आग लग गई। इससे चार गाड़ियां जलकर स्वाहा हो गई। इस आग की चपेट में एक ब्रेजा स्विफ्ट डिजायर और एक ऑटो जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि कुछ युवकों ने सिगरेट की जलती टुकड़ियां फेंक दी थी जिस वजह से आग लगी।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के पुराना दिल्ली रोड स्थित राजपूत वाटिका के पीछे रेजिडेंशियल एरिया में पड़ी खाली जमीन पर कूड़े कबाड़ के ढेर में आग लग गई। इससे चार गाड़ियां जलकर स्वाहा हो गई। इस आग की चपेट में एक ब्रेजा, स्विफ्ट डिजायर और एक ऑटो जलकर क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंची।

अग्निशमन के कर्मचारियों ने आग पर काबू पा लिया है। मौके पर मौजूद दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक इस खाली जमीन पर गड़ियों और सीट कवर बनाने वाले लोगों द्वारा वेस्ट फोम और लेदर के टुकड़े डाले गए थे।

वहीं कुछ लोगों का कहना था कि कुछ लड़के यहां पर सिगरेट पर पी रहे थे। उसने जलती हुई सिगरेट इस कूड़े में डाल दी जिसकी वजह से भयंकर आग लग गई।

चार गाड़ियां मौके पर पहुंची

भीम नगर फायर स्टेशन के फायर स्टेशन आफिसर रमेश सैनी ने बताया कि आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं लग पाया है। आग लगने की सूचना मिलने के बाद भीम नगर फायर स्टेशन और उद्योग विहार स्टेशन से कुल चार गाड़ियां मौके पर आग बुझाने के लिए भेजी गई और आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

अधिक सयाने नेता ना घर के रहे ना घाट के

बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे।

रमेश सर्राफ धमोरा

कहते हैं राजनीति संभावनाओं का खेल है। इसमें कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं रहता है। राजनीति में जरा सा चूकने पर खेल ऐसा बिगड़ जाता है कि फिर सुधरे भी नहीं सुधर पाता है। देश में चल रहे लोकसभा चुनाव के दौरान कुछ राजनीतिक दलों व उनके नेताओं के साथ भी कुछ ऐसी घटनाएं घट गई जो ना उनसे निगलते बन रही है ना ही उगलते।

बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता व केंद्र में मंत्री रहे पशुपति पारस अपने भतीजे चिराग पारस कि एनडीए से बगावत के वक्त खुलकर एनडीए के साथ रहकर अपना मंत्री पद बचा ले गए थे। उसे वक्त उनके साथ पार्टी के 6 में से पांच सांसद भी थे। मगर समय का चक्र देखिए आज पशुपति पारस के पास ना तो मंत्री पद बचा है ना ही लोकसभा की सीट बच पाई है। चिराग पासवान के एनडीए में वापस आने के चलते सीट शेयरिंग में उन्हें पांच सीट दे दी गई। जबकि उनके विरोधी चाचा पशुपति पारस वाली लोक जनशक्ति पार्टी को एनडीए में एक भी सीट नहीं दी गयी।

इससे नाराज होकर पशुपति पारस लालू यादव नीत महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा कर केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा दे दिया था। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू यादव ने पशुपतिनाथ पारस को घास नहीं डाला और उनकी पार्टी को गठबंधन में एक भी सीट नहीं दी। इससे पशुपति पारस की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद हो गई। और वह फिर से एनडीए में शामिल होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुणगान करने लगे हैं। पशुपति पारस के चक्कर में उनके दूसरे भतीजे प्रिंस राज भी इस बार बिना टिकट ही रह गए। उन्हें भी किसी गठबंधन में शामिल नहीं किया गया है।

कहां जा रहा है कि भाजपा द्वारा पशुपति पारस को चिराग पासवान का समर्थन करने के बदले राज्यपाल का पद व प्रिंस राज को बिहार सरकार में मंत्री बनाने का ऑफर दिया गया था। मगर उन्होंने उस ऑफर को छोड़कर महागठबंधन से सीट लेने के चक्कर में केंद्रीय मंत्री पद से भी इस्तीफा देते हुये एनडीए के खिलाफ बयानबाजी कर दी थी। अब देखते हैं चुनाव के बाद आगे पशुपति पारस व उनके भतीजे प्रिंस राज का फिर से राजनीतिक पुनर्वास होता है या वह राजनीति के बियाबान में खो जाते हैं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव नतीजे के बाद ही लग पाएगा। फिलहाल तो पशुपति पारस ना घर के रहे ना घाट के रहे वाली स्थिति में है।

खुद को सन ऑफ मल्लाह कहलाने वाले विकासशील इंसान पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी के साथ भी कुछ ऐसा ही वाकया हुआ है। कभी मुंबई की फिल्में इंडस्ट्री में काम कर पैसे कमाने वाले मुकेश सहनी की फितरत एक जगह टिकने की नहीं रही है। वह बिहार में बड़ी राजनीति करने का सपना देखते रहते हैं। इसी चक्कर में वह अलग-अलग गठबंधनों में शामिल होकर चुनाव लड़ते रहे हैं। मगर कभी चुनाव नहीं जीत पाए हैं।

पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने बिहार के एनडीए गठबंधन में शामिल होकर 13 सीटों पर अपनी पार्टी को चुनाव लड़वाया था और उनकी पार्टी के चार विधायक जीते थे। उनका स्वयं को भी नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री बनाया गया था। मगर अपनी फितरत के मुताबिक वह अधिक समय तक गठबंधन में नहीं टिक पाए। तब भाजपा ने उनके विधायकों को तोड़ लिया और वह अकेले रह गए। अब उनका विधान परिषद का कार्यकाल भी पूरा हो गया है। इस बार के लोकसभा चुनाव में उन्होंने फिर से भाजपा के एनडीए व लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रयास किया था। मगर उनके मांग पत्र व सीटों की संख्या देखकर किसी भी गठबंधन ने उनसे तालमेल करना मुनासिब नहीं समझा। दोनों ही गठबंधन उन्हें बातों में उलझाए रखा और अंत में किसी ने भी उनके साथ तालमेल नहीं किया। आज मुकेश सहनी यदि लोकसभा चुनाव लड़ते हैं तो उन्हें अपने ही दम पर चुनाव मैदान में उतरना पड़ेगा।

पूर्णिया के पूर्व सांसद पप्पू यादव किसी समय बिहार में चर्चित युवा नेता होते थे। कम उम्र में ही कई बार सांसद, विधायक बनने वाले पप्पू यादव की बाहुबली वाली छवि के चलते उन्हें चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नहीं होती थी। एक समय उन्होंने शरद यादव जैसे दिग्गज नेता को भी हरा दिया था।

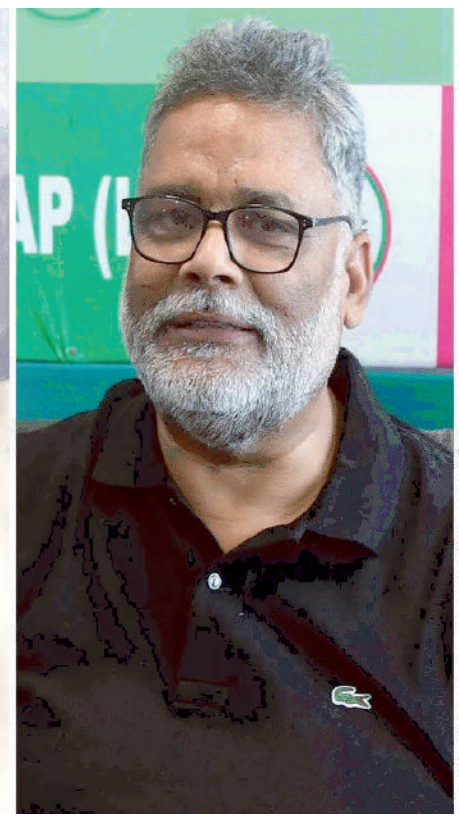

मगर अब समय का फेर देखिए आज वही पप्पू यादव एक टिकट के लिए मारे मारे घूम रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू यादव से अपने संबंध सुधारने के लिए उनके आवास पर जाकर हाजिरी भी दे दी थी। फिर उन्होंने अपनी जन अधिकार पार्टी का दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में जाकर कांग्रेस में विलय कर दिया था।

कांग्रेस में शामिल होने के बाद पप्पू यादव ने पूर्णिया से कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। मगर राजनीति के चतुर खिलाड़ी लालू प्रसाद यादव ने पप्पू यादव को माफ नहीं किया था और उसके साथ खेला कर दिया। लालू यादव ने बिहार में सीट बंटवारे के दौरान पूर्णिया की सीट अपनी पार्टी राजद के खाते में रखकर वहां से जदयू की विधायक बीमा भारती को राजद प्रत्याशी घोषित कर दिया। इसके चलते पप्पू यादव का पूर्णिया से कांग्रेस प्रत्याशी नहीं बना पाई। अब पप्पू यादव ने घोषणा की है की जान चली जाएगी तब भी पूर्णिया को नहीं छोड़ेंगे और वह पूर्णिया से ही निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।

पप्पू यादव के बयान पर कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने उनसे कन्नी काटते हुए कहा है कि पप्पू यादव ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय किया है लेकिन खुद पार्टी के सदस्य नहीं बने हैं। ऐसे में वह कहीं से भी चुनाव लड़ने को स्वतंत्र है। कांग्रेस पार्टी को उनसे कोई लेना देना नहीं है।

पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने के बाद पप्पू यादव की हालात देखते ही बनती है। वह न घर के रहे ना घाट के उल्टे उनके बने बनाये समीकरण और बिगड़ गए हैं। हालांकि पिछले चुनाव में पप्पू यादव ने मधेपुरा से लोकसभा चुनाव लड़ा था। जहां उनकी जमानत जप्त हो गई थी। उन्हें मात्र 97631 यानि 8.51 प्रतिशत वोट ही मिले थे। जबकि 2014 में वह मधेपुरा से चुनाव जीते थे। मधेपुरा में पिछली बार जमानत जब्त होने के चलते पप्पू यादव इस बार पूर्णिया से चुनाव लड़ रहें हैं। पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन कांग्रेस से राज्यसभा सांसद व पार्टी की राष्ट्रीय सचिव है। पूर्व में वह सहरसा व सुपौल से सांसद भी रह चुकी हैं।

Tata Motors जल्द लॉन्च करेगी 3 नई गाड़ियां, लिस्ट में एक हैचबैक और 2 एसयूवी शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

ata Nexon iCNG कॉन्सेप्ट को कुछ महीने पहले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में पेश किया गया था और आने वाले महीनों में इसका प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। कर्व ईवी कॉन्सेप्ट की शुरुआत 2022 में हुई थी जबकि इसका आईसीई वर्जन 2023 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था और ये 2024 के मध्य तक इलेक्ट्रिक अवतार में पेश की जाएगी।

नई दिल्ली। Tata Motors नए Fiscal year (वित्त वर्ष) में कई कारें पेश करने के लिए तैयार है। इनमें से 2 सीएनजी और एक हैचबैक जल्द ही भारतीय सड़कों पर देखी जा सकती है। आइए, कंपनी की इन अपमिंग कारों के बारे में जान लेते हैं।

Tata Nexon CNG

Tata Nexon iCNG कॉन्सेप्ट को कुछ महीने पहले भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में पेश किया गया था और आने वाले महीनों में इसका प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। अन्य टाटा सीएनजी मॉडलों में पाई जाने वाली ट्विन-सिलेंडर तकनीक को अपनाते हुए, इसमें लगभग 230 लीटर का उपयोग करने योग्य बूटस्पेस होगा। ये परिचित 1.2L पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होने वाली है।

Tata Curvv EV

कर्व ईवी कॉन्सेप्ट की शुरुआत 2022 में हुई थी, जबकि इसका आईसीई वर्जन 2023 ऑटो एक्सपो में प्रदर्शित किया गया था। इस साल की शुरुआत में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो में प्रोडक्शन-स्पेक कर्व आईसीई को पेश किया गया था। दोनों वर्जन इस साल भारत में 2024 के मध्य तक इलेक्ट्रिक अवतार में पेश किए जाएंगे। इसका आईसीई वर्जन भी बाद में लॉन्च किया जाएगा।

कर्वव ईवी को Acti.ev प्लेटफॉर्म पर आधारित किया जाएगा, जिसे हाल ही में लॉन्च किए गए पंच ईवी में पेश किया गया था। इसमें एक बार चार्ज करने पर 500 किमी से अधिक की ड्राइविंग रेंज होने का दावा किया गया है।

Tata Altroz Racer

आने वाले हफ्तों में टाटा आधिकारिक तौर पर भारत में अल्ट्रोज रेसर की कीमतों की घोषणा करेगा। स्टैंडर्ड अल्ट्रोज के आधार पर परफॉरमेंस बेस्ड अल्ट्रोज रेसर में कई खासियत होने वाली हैं। इसका 1.2L टर्बो पेट्रोल इंजन 120 PS और 170 Nm का उत्पादन करेगा। इसके अलावा अल्ट्रोज रेसर को कई एडवांस फीचर्स भी दिए गए हैं।

8 अगस्त को रोबोटैक्सी का प्रदर्शन करेगी Tesla, एलन मस्क ने दी जानकारी

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने बताया कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी 8 अगस्त को अपनी रोबोटैक्सी का अनावरण करेगी। 2019 में कंपनी ने 2020 तक रोबोटैक्सिस के संचालन का संकेत दिया था। हालांकि योजना सफल नहीं हो पाई। मगर लेटेस्ट घोषणा तब आई जब रिपोर्टों में दावा किया गया कि टेस्ला ने लगभग 25000 डॉलर में अधिक किफायती ईवी विकसित करने की अपनी योजना रद्द कर दी है।

नई दिल्ली। एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला 8 अगस्त को अपनी रोबोटैक्सी का अनावरण करेगी। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, अरबपति ने कहा कि 8/8 को टेस्ला रोबोटैक्सी का अनावरण होगा।

यह खबर उनके लाखों फॉलोअर्स के लिए खुशी लेकर आई। एक एक्स यूजर ने टिप्पणी की, वाह, बिना स्टीयरिंग व्हील वाली टेस्ला को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

एक अन्य यूजर ने लिखा कि उन्हें उम्मीद है कि कॉम्पैक्ट कार और रोबोटैक्सी का अनावरण एक ही समय में किया जाएगा। मुझे दोनों के लिए डिजाइन और विनिर्माण लाइनों की उम्मीद है। कृपया देरी न करें और विशेष रूप से कॉम्पैक्ट कार में ज्यादा देरी न करें।

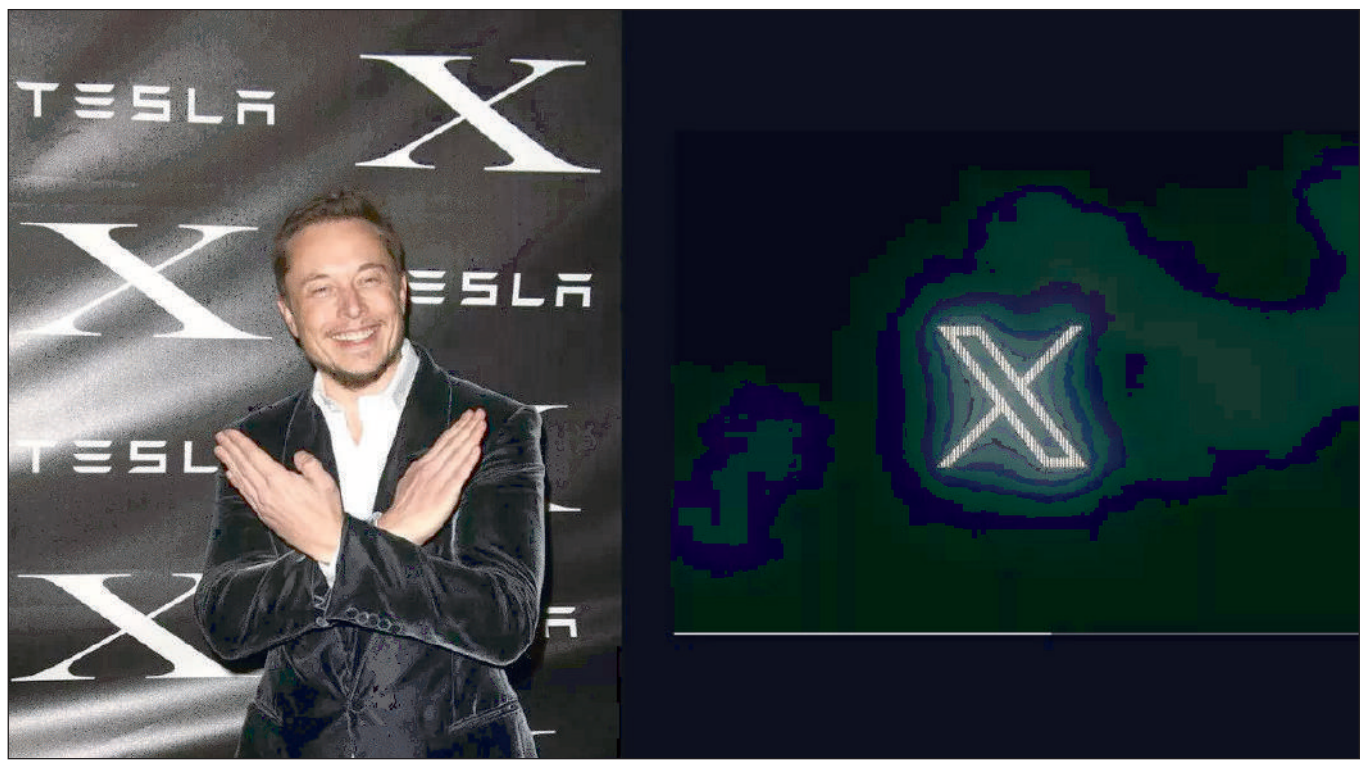

2019 में दिया था रोबोटैक्सिस संचालन का संकेत

2019 में कंपनी ने 2020 तक रोबोटैक्सिस के संचालन का संकेत दिया था। हालांकि, योजना सफल नहीं हो पाई। मगर लेटेस्ट घोषणा तब आई जब रिपोर्टों में दावा किया गया कि टेस्ला ने लगभग 25,000 डॉलर में अधिक किफायती ईवी विकसित करने की अपनी योजना रद्द कर दी है।

मस्क ने पहले कहा था कि अधिक किफायती ईवी इलेक्ट्रिक कार कंपनी के अगली पीढ़ी के वाहन प्लेटफॉर्म पर बनाई जाएगी।

टेस्ला ने कहा था, हम अगली पीढ़ी के प्लेटफॉर्म को जितनी जल्दी हो सके गीगाफैक्ट्री टेक्सास में उत्पादन शुरू करने की योजना के साथ बाजार में लाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ।

स्पीड चालान से रहना चाहते हैं सुरक्षित; Google Maps का ये फीचर आएगा काम

Google Maps अपने कस्टमर्स के लिए कई फीचर्स लाता है। हाल ही में कंपनी आपके लिए एक ऐसा फीचर पेश किया हैजिसकी मदद से आप रियल टाइम में स्पीड लीमिट की जानकारी पा सकते हैं। इसकी मदद से आप स्पीड चालान से आसानी से बच सकते हैं। आइये जानते हैं कि ये फीचर आपके लिए कैसे और कितना मददगार होगा।

Google Maps ने हाल ही में एक नई सुविधा लॉन्च की है जो रियल टाइम में आपको स्पीड लीमिट की जानकारी देता है। इसे हम स्पीडोमीटर के नाम से जानते हैं। इसका लक्ष्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना और स्पीड को रोकना है। यह सुविधा स्ट्रीट व्यू और थर्ड पार्टी इमेजरी आदि से स्पीड लीमिट की पहचान करने के लिए एआई का उपयोग करती है।

सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और गति सीमा का पालन करने में ड्राइवरों की सहायता के लिए, Google मैप्स ने हाल ही में इस फीचर को विश्व स्तर पर पेश किया है।

ड्राइवरों की सहायता करने और ड्राइवरों को बेहतर सुरक्षा और नेविगेशन सहायता देने के लिए, Google मैप्स ने स्पीडोमीटर सुविधा विकसित की है, जो दुनिया भर में सड़कों के लिए रियल टाइम स्पीड लीमिट की जानकारी दिखाता है। आइये जानते हैं कि आप इस सुविधा का प्रयोग कैसे कर सकते हैं।

Google Maps में कैसे इनेबल करे स्पीडोमीटर

- सबसे पहले अपने Android डिवाइस पर Google मानचित्र ऐप खोलें।
- अब मैप्स ऐप के ऊपरी दाएं कोने में अपने प्रोफाइल पिक्चर या नाम के पहले अक्षर पर क्लिक करके ड्रॉप-डाउन मेनू खोलें।
- इसके बाद ड्रॉप-डाउन मेनू में 'सेटिंग्स' चुनें। अब सेटिंग्स मेनू में 'नेविगेशन सेटिंग्स' को चुनें।
- अगर आप रंग बदलकर स्पीड पार कर रहे हैं तो यह आपको सचेत भी कर सकता है।

वैश्विक बाजार के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाएं भारतीय कंपनियां, ICE पुरानी तकनीक

एथर एनर्जी के एक कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत पहले से ही दुनिया में दोपहिया वाहनों का सबसे बड़ा निर्यातक है। कांत ने कहा कि अब समय आ गया है जब भारतीय ईवी कंपनियों को न केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बल्कि दुनियाभर के लिए दोपहिया वाहनों का उत्पादन करना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक इन्होंने कहा कि इंटरनल कंब्शन इंजन (ICE) पुरानी तकनीक हो चुकी है।

नई दिल्ली। G-20 में भारतीय शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने शनिवार को कहा कि भारत में भविष्य इलेक्ट्रिक का है। देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अपनाने में भारी वृद्धि देखी गई है। अब भारतीय कंपनियों को वैश्विक बाजार के लिए इलेक्ट्रिक दोपहिया बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए।

EV का बढ़ेगा दायरा

एथर एनर्जी के एक कार्यक्रम में कांत ने कहा कि भारत पहले से ही दुनिया में दोपहिया वाहनों का सबसे बड़ा निर्यातक है। कांत ने कहा कि अब समय आ गया है जब भारतीय ईवी कंपनियों को न केवल घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बल्कि दुनियाभर के लिए दोपहिया वाहनों (Electric Two Wheelers) का उत्पादन करना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, इन्होंने कहा कि इंटरनल कंब्शन इंजन (ICE) पुरानी तकनीक हो चुकी है। इस तकनीक को अपनाने वाले लोगों की संख्या पिछले सालों में कम हुई है।

काउंटरपाइंट रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में EV की बिक्री 2023 के दौरान करीब दोगुना हो गई है। उपभोक्ताओं की बढ़ती रुचि, सरकारी पहल और इन्फ्रास्ट्रक्चर में विकास के चलते 2024 में इसमें 66 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है।

लोगों में EV के प्रति क्रेज

पेट्रोल व डीजल की बढ़ती कीमतों के कारण लोग इलेक्ट्रिक वाहनों को तरजीह दे रहे हैं। वहीं, भारतीय मार्केट में भी इनकी मांग तेजी से बढ़ रही है। ऑटो निर्माता भी इस सेगमेंट पर खासा फोकस रहे हैं। मौजूदा समय में टाटा मोटर्स के द्वारा टाटा पंच ईवी सहित कई ईवी गाड़ियां पेश की जाती हैं।

बहुत नाजुक होता है गाड़ी का ये हिस्सा! बड़े नुकसान से बचना है, तो हमेशा ध्यान रखें ये बातें

कार को सीधी धूप में पार्क करने से विंडशील्ड पर अत्यधिक तापमान का प्रभाव पड़ता है जिसकी वजह से इसमें दरार आ सकती है। कांच के टिंट भी यूवी किरणों के प्रति संवेदनशील होते हैं और ये क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। विंडशील्ड वाइपर की कंडीशन कांच को कई तरह से प्रभावित कर सकती है। ऐसे में विंडशील्ड वाइपर का भी ख्याल रखना जरूरी है।

नई दिल्ली। कार की विंडशील्ड काफी उपयोगी और नाजुक हिस्सा होती है। इसकी मदद से धूल, गंदगी और बाहर से आने वाली चीजों को केबिन के अंदर प्रवेश करने से रोका जा सकता है। विंडशील्ड की देखभाल करना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। आइए जान लेते हैं कि विंडशील्ड को सुरक्षित रखने के लिए किन चीजों का ध्यान रखना चाहिए।

सीधी धूप में गाड़ी न पार्क करें

कार को सीधी धूप में पार्क करने से विंडशील्ड पर अत्यधिक तापमान का प्रभाव पड़ता है, जिसकी वजह से इसमें दरार आ सकती है। कांच के टिंट भी यूवी किरणों के प्रति संवेदनशील होते हैं और ये क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। गैरेज, बेसमेंट या किसी अन्य छायादार स्थान पर पार्किंग करने से कांच को टूटने से बचाया जा सकता है।

चिप्स और क्रैक्स का ध्यान रखें

जब कोई बाहरी वस्तु विंडशील्ड से टकराती है, तो इसकी वजह से कांच पर चिप्स या क्रैक पड़ सकती हैं। कांच पर इस तरह के बुलबुले बनने से चाहे उसका आकार कुछ भी हो अगर मरम्मत न की गई तो विंडशील्ड को काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे में कांच का विशेष ध्यान रखें। समय रहते मरम्मत कराने से बड़ा नुकसान टाला जा सकता है।

विंडशील्ड वाइपर बदलते रहें

विंडशील्ड वाइपर की कंडीशन कांच को कई तरह से प्रभावित कर सकती है। ऐसे में विंडशील्ड वाइपर का भी ख्याल रखना जरूरी है। वाइपर मुख्य रूप से दो कंपोनेंट से बना होता है, अंदर की तरफ मेटल स्ट्रक्चर और उसके ऊपर रबर कोटिंग होती है। अगर विंडशील्ड वाइपर की रबर घिस जाए, तो इसे बदलना सुनिश्चित करें।

ममता सरकार को फिर अदालत की फटकार

योगेंद्र योगी

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पड़ा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तर प्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी, इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फैंकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी, अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।

> वर्ष 2023 में हुए पंचायत चुनाव के मतदान के दौरान चुनावी हिंसा में 17 लोगों की जान गई। तृणमूल कांग्रेस का दावा था कि चुनावी हिंसा में सबसे ज्यादा उनके कार्यकर्ताओं की हत्या हुई। मरने वालों में 60 फीसदी उनके कार्यकर्ता हैं'

कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने तल्ख लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-एसटी नेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो यह 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीडऩ की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आसपास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे।

हालांकि सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड और तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख ने कहा था कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने पांच जनवरी को संदेशखाली में केंद्रीय एजेंसी कर्मियों पर हमला करने वालों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इन्कार किया था। शाहजहां ने अधिकारियों से कहा था कि वह इस हमले की दिल से निंदा करता है और चाहता है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले। ईडी ने शाहजहां से उसकी कंपनी सबीना एंटरप्राइजेज के जरिए काली कमाई को सफेद करने के मामले में पूछताछ की। जिस पर शाहजहां ने कहा कि सब झूठ है। अनुसूचित जाति-जनजाति के पैनल ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी। इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पैनल ने एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पैनल का यह भी कहना था कि आरोपियों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। देश में पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जहां राज्यपाल ने केंद्र सरकार को कई बार बिगड़े हालात की जानकारी दी है। विपक्षी दलों की शासित राज्यों में भी राज्यपालों और सत्तारूढ़ दल की सरकारों में अनबन होती रहती है, किन्तु संवैधानिक पद पर रहते हुए जितने खराब संबंध पश्चिम बंगाल में रहे हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि जो लोग संदेशखाली की महिलाओं के उत्पीडऩ के जिम्मेदार हैं, उनको अब अपना बाकी जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में पूरे देश ने देखा कि कैसे टीएमसी और राज्य सरकार ने संदेशखाली की महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों को बचाया। लेकिन उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है, उन्हें अब अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी पूर्व में भी जहर उगलने में पीछे नहीं रही हैं। ममता पूर्व में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल करती रही हैं। ममता बनर्जी कूचबिहार रैली में यहां तक कह गईं कि आप जहरीले सांप पर भरोसा कर सकते हैं, लेकिन भाजपा पर नहीं।

ममता बनर्जी ने कूच बिहार से भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री निशीथ प्रामाणिक का नाम लिए बिना उन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तुम मंत्री के नाम पर कलंक हो। ममता ने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारियों का ट्रांसफर हो रहा है, केंद्रीय एजेंसी का कितना ट्रांसफर हुआ? उन्होंने कहा कि भाजपा निर्वाचन के कोड नहीं मानती। उन्होंने आरोप लगाया कि शीतलकुची में जिसने गोली मारकर हत्या किया वो अभी बीरभूम में बीजेपी प्रार्थी बन गया। ममता ने आरोप लगाया कि 3 सालों से आवास योजना का पैसा नहीं दिया जा रहा है। सडक़ के पैसे नहीं दिए जा रहे हैं। पहले 100 दिन के काम पर बंगाल एक नंबर पर था। पश्चिम बंगाल में शायद ही कोई ऐसा चुनाव रहा हो जहां हिंसा का तांडव नहीं हुआ हो। चुनाव आयोग के तमाम सख्त प्रयासों के बावजूद पश्चिम बंगाल चुनाव के दौरान हिंसा का शिकार रहा है। वर्ष 2023 में हुए पंचायत चुनाव के मतदान के दौरान चुनावी हिंसा में 17 लोगों की जान गई। तृणमूल कांग्रेस का दावा था कि चुनावी हिंसा में सबसे ज्यादा उनके कार्यकर्ताओं की हत्या हुई। मरने वालों में 60 फीसदी उनके कार्यकर्ता हैं, जबकि विपक्षी पार्टियों ने चुनाव हिंसा को लेकर ममता बनर्जी की सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। देखना यही है कि हिंसा से त्रस्त रहे पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग कैसे शांतिपूर्ण और निर्विघ्न चुनाव सम्पन्न कराता है। पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना सभी दलों का एजेंडा होना चाहिए। तभी उन्हें न्याय मिल पाएगा।

संपादक की कलम से

सियासी आबंटन की सरहदें

हिमाचल में सत्ता संग्राम की सीढियों पर सामाजिक विवेचन की अद्भुत पहल भी देखी जा रही है। यहां मतदाता अपनी जातियों के आधार पर समूह और वर्ग पर केंद्रित सियासी काफिले बना रहे हैं। आश्चर्य यह कि हम विधानसभा क्षेत्रों में नए राजनीतिक आबंटन की सरहद पर खड़े हैं। शुरुआत कांगड़ा से हुई, तो कांग्रेस के सामने कई समूह बोलियां लगा रहे हैं। भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है।

पहले भी कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से चंद्र कुमार कांग्रेस की टिकट पर सांसद बन कर सामाजिक न्याय के प्रतीक रहे हैं। गद्दी समुदाय से किशन कपूर लोकसभा से हाल ही में निवृत्त हुए हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर ही अगर टिकटें सुनिश्चित होतीं, तो प्रदेश को जीएस बाली जैसा नेता नहीं मिलता। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नेता को जाति, वर्ग या समुदाय बनाता है। नगरोटा बगवां की लगभग आधी आबादी ओबीएस वर्ग से संबंध रखती है, लेकिन जीतने वाले के लिए जातियां दोयम साबित हो रही हैं। समाज वहां अगर सही नेतृत्व ढूंढते हुए जाति भूल रहा है, तो उसे सलाम। आश्चर्य यह कि हिमाचल में नेतृत्व के लिए सत्ता पक्ष ने दो ही जातियां आज तक उपयोगी मानी। सरकारों का इतिहास बताता है कि हिमाचल में सबसे अधिक बार राजपूत मुख्यमंत्री ही बने, जबकि दो बार ब्राह्मण वर्ग के शांता कुमार इस पद पर रहे। नेता तो अन्य जातियों, वर्गों और समुदाय में भी शक्तिशाली व पारंगत हुए, लेकिन इस राज्य की कमान उन्हें अब तक नहीं मिली। ओबीसी तथा गद्दी समुदाय से कई दिग्गज नेता हुए, लेकिन उनके मंत्रालय भी प्रभावशाली साबित नहीं हुए। राजनीति का बदलता परिदृश्य हिमाचली समाज की पेशकश में नेताओं का फिर से मुआयना कर रहा है। सर्वमान्य होने से पहले जो नेता जातियों या वर्गों की वर्दी पहनकर उछलकूद कर रहे हैं, उन्हें पहचाना जाए या जिन्होंने सीढियां चढ़ते हुए यह साबित किया कि वे इस तरह की तफतीश से ऊपर हैं। गाहे-बगाहे हम चुनावों की परिपाटी में समाज के बीच अनावश्यक बंटवारे को देख लेते हैं। समाज को अब साधने और हांकने के लिए राजनीति नित नए बहाने ढूंढ रही है और इसकी विडंबना से हम ऐसे जनप्रतिनिधियों के पल्ले पड़ गए हैं, जो या तो परिवारवाद या जातिवाद की उपज हैं।

खास तौर पर स्थानीय निकाय चुनावों के जरिए जिस तरह के पार्षद सामने आ रहे हैं, उन्हें देखकर यह विश्वास नहीं होता कि वे अपने विजन से प्रदेश को आगे बढ़ा पाएंगे। विडंबना यह है कि हिमाचल में न तो बिरादरियां इनसान बना रही हैं और न ही विभिन्न वर्ग नागरिक समाज को जवाबदेह बना रहे हैं। राजनीति की दौड़ में बैसाखियां चाहिएं। कोई जाति की पहनकर टिकट मांग रहा है, तो कोई वर्ग या समुदाय की वर्दी पहनकर पहचान पाना चाहता है।

चर्चा

लो जी, चुनावी घोषणापत्र'

मुल्क के हे जागरूक वोटरो, चुनावी वेला में आपके पावन, पुनीत श्रीचरों में दण्डवत प्रणाम। सुधिजनो, आपने कई घोषणा पत्र देखे होंगे। इन घोषणा पत्रों को विभिन्न पार्टियों के लीडर अमूमन मीडिया कर्मियों की भीड़ के बीच इस अंदाज में जारी करते हैं जैसे वे किसी व्यंग्यकार के किसी नए व्यंग्य संग्रह का सामूहिक विमोचन कर रहे हों। जिस तरह ऐसे संग्रह विमोचन की रस्म के बाद लाईब्रेरियों के बीहड़ों में गुम हो जाते हैं, वैसे ही चुनाव निबट जाने के बाद चुनाव घोषणा पत्र भी राजनीति के कूड़ेदानों में पहुंच कर गुम हो जाते हैं। खैर, हम यहां कूड़ेदान पर बात करके मुल्क का टाइम बर्बाद नहीं करेंगे और प्रसंग को सिर्फ और सिर्फ 'चुनाव घोषणा पत्र' तक ही फोकस रखेंगे। हे मतदाताओ, अब फिर से चुनाव घोषणा पत्र जारी होने का सीजन चालू हो गया है। बाकी घोषणा पत्रों के साथ-साथ आप खाकसार के चुनाव घोषणा पत्र पर भी मुलाहिजा फरमाईए। मजमून इस तरह है। हमारा चुनाव घोषणा पत्र कर्मचारी ओरियेंटेड होगा। हमें मालूम है कि इतनी महंगाई में सम्मानजनक ढंग से गुजर-बसर करना ईमानदार कर्मचारियों के बस की बात नहीं है। हम उन्हें थोड़ा-थोड़ा भ्रष्टाचार करने की छूट देंगे ताकि वे चरणबद्ध तरीके से अपने स्टैंडर्ड ऑफ लीविंग को ऊंचा उठाते रहें। लेकिन बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कर्मचारी ही बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार करने लगेंगे तो लीडरों के पास करने को क्या रह जाएगा।

दूसरे अवकाशों की तरह साल में एक महीने का फरलो अवकाश भी सरकारी कर्मचारियों को दिया जाएगा जिसके तहत वे बिना छुट्टी लिए दफ्तर से गायब रहने का लुत्फ ले सकेंगे। इससे सरकारी कामकाज में कार्य संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और कर्मचारियों में नई ऊर्जा भी आएगी। हमारा यह मानना है कि सरकारी कर्मचारियों में नई ऊर्जा तीन कारणों से आती हैं- एक, महंगाई भत्ते की किश्त मिलने पर, दो, ऊपर की इन्कम से और तीन, फरलो पर रहने से। इसके अलावा हम कर्मचारियों को उनके पसंदीदा स्टेशनों पर तैनात करेंगे। जिन स्टेशनों पर तैनाती के लिए एक से ज्यादा कर्मचारी इच्छुक होंगे, वहां नए पद सृजित किए जाएंगे और जहां कोई भी जाना नहीं चाहता होगा, वहां के लिए सृजित पद समाप्त कर दिए जाएंगे। टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता लाई जाएगी। सख्त नीति बनाई जाएगी। हम अपने ही बंदों को टेंडर अलॉट किया करेंगे और चुनावी बेला में उन बंदों से फंड लिया करेंगे। उद्योगपतियों के लिए भी हमारे दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे। वे अगले दरवाजे से भी आ सकते हैं और पिछले दरवाजे से भी। दिन को भी आ सकते और रात को भी। जो अपने साथ ब्रीफकेस वगैरह भी लेकर आएंगे, उन्हें मुलाकात के लिए स्पेशल टाइम दिया जाएगा। हम उद्योगपतियों को अतिथि के रूप में ट्रीट करेंगे।

अतिथि देवो भवः हमारा मूलमंत्र होगा। ऐसे अतिथि अगर प्रसन्न होकर कुछ हें जाते हैं तो उसे प्रभु जी का प्रसाद समझ कर ग्रहण किया जाएगा। लेकिन अगर वे कुछ देकर नहीं जाते हैं तो उनकी फैक्ट्रियों में एक्साइज वालों के छापे डलवाकर जनता को यह क्लियर मैसेज दिया जाएगा कि अतिथि देवो भवः के साथ-साथ हम कायदे कानून पर भी अमल करते हैं। हम अपने ही विधायकों के फोन टेप करवाया करेंगे ताकि पता चलता रहे कि कहीं विपक्ष के साथ उनकी सांठगांठ तो नहीं हो रही है। हमारी कुर्सी को कहीं खतरा तो नहीं हो रहा है। कहीं कोई हमारी जड़ें तो नहीं खोद रहा। जय हिंद!

डा. आशुतोष गुलेरी

आयुर्वेद नहीं है बिकाऊ

> किसी भी मठाधीश के आंगन में झांक कर देख लें, दवाओं की दुकान का आयुर्वेदिक नजारा एक समान है। बिजनेस मॉडल भी एक सरीखा है। पहले दूसरे को गाली मारो। दूसरे की भत्र्सना करो। यह ठीक नहीं है'...

स्वास्थ्य परिरक्षण एवं जीवनशैली से संबंधित विषयों पर इलाज के बड़े बड़े वादे इस देश में किए जाते रहे हैं। शर्तिया इलाज के नाम पर टंगे पोस्टर और फ्लेक्स जीवन सुधार देने के नाम पर झूठी आस बंधाते यहां-वहां टंगे दिख जाएंगे। आयुर्वेद की छवि मटियामेट करने में इस प्रकार के झूठे दावों का बड़ा हाथ है। बिना वैज्ञानिक पुष्टि किए इन्हीं दावों के कारण जीवन के परिरक्षण में महारत हासिल एक विज्ञान को इतने अधिक बुरे दिन देखने पड़े जितने कि अंग्रेजी शासन के दौरान इस विधा ने नहीं देखे थे। एक तथ्यात्मक बात है, इस संसार में अमरता का कोई ज्ञान उपलब्ध नहीं है। जो कोई इस संसार में आया है, उसका जाना भी तय है। इसलिए दीर्घायु के दावे करना और दीर्घायु का कोई जोड़ खोज निकालने का दंभ भरना, अपनी दुकान चला लेने की दृष्टि से यह एक अनोखा अनुप्रयोग भले हो सकता है, लेकिन यह वैज्ञानिक दृष्टि में जीवन किसी पोंजी स्कीम में लगा डालने जैसा है जिसके अंत में अपना ही नुकसान होना तय है। वादों से भरे भाषणों ने पहले ही हमारा बेहद नुकसान किया है।

अब औने-पौने दावों में न आकर स्वास्थ्य को नुकसान होने से बचाना, यह जिम्मेदारी हमारी बनती है। स्वयं आयुर्वेद में किसी व्याधि की चिकित्सा के संदर्भ में किसी झूठे दावे का उल्लेख पढऩे में नहीं आता। अतः पुराने ग्रंथों से बाहर, कालांतर में लिखी गयी शर्तिया इलाज की पुस्तकें पढ़ कर ऐसे दावों के झांसे में आने से पहले हमें वैज्ञानिक बुद्धि का प्रयोग अवश्य करना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत मुझे बीस वर्ष से अधिक का समय बीत गया। हजारों लोगों का उपचार किया। अनगिनत सलाहियत की। लेकिन आज तक मेरे हाथ कोई ऐसा नुस्खा नहीं लगा जिसे मैं रामबाण इलाज कहकर सारी दुनिया में प्रचारित-प्रसारित करके अपनी दुकान चला लूं। मेरे अनुभव ने मुझे केवल इतना मात्र सिखाया कि कोई दो भिन्न शरीर उपचार के प्रति एकसमान प्रतिक्रिया प्रदान नहीं करते। दो लोगों में व्याप्त एक ही रोग भी एक समान व्यवहार नहीं करता। आयुर्वेद में तो रोगी की प्रकृति के साथ रोग की प्रकृति और विकृति का भी मापतोल करने का निर्देश है। इतना ही नहीं बल्कि रोग निदान करते समय ऋतु और दिनमान को पढऩे का विचार भी आयुर्वेद में निर्देशित है। जब रोग तथा रोगी के सम्बन्ध में इतने निर्देश हैं तो विचार करके देखिए, उपचार प्रणाली के चुनाव में कितने निर्देशों का अनुपालन करना बताया गया होगा आयुर्वेद में! ऐसे में किसी को शर्तिया इलाज का झांसा देकर रोगी या उसके तीमारदारों को बरगलाना, आयुर्वेद कम से कम इतना निकृष्ट आचरण तो कतई नहीं सिखाता।

तब ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे कौन लोग हैं जो भोली-भाली जनता के मन में शर्तिया इलाज के दावों से भरे कथित रामबाणों का शरसंधान करके उनके जीवन को संकट में डालने का उद्योग रचते हैं? ऐसे कितने ही पीड़ित होंगे इस संसार में जिन्हें इन लोगों ने ठगा ही नहीं बल्कि सर्वस्व लूट कर उन्हें धीमी मृत्यु की ओर अग्रसर तो किया ही, साथ ही कलंक का टीका आयुर्वेद के माथे मढ़ दिया। देश में वायदा बाजार पर नकेल कसने के लिए नियम और कानूनों की कमी तो कोई नहीं लेकिन सामने वाले के रसूख और बाजार में उसकी उपादेयता के सामने सभी नियम-कानून बौने पड़ जाते हैं। तंबुओं के बाहर शर्तिया इलाज का आयुर्वेदिक दवाखाना के बोर्ड टंगे रहते हैं। तंबुओं के भीतर हिमालय के गर्भ से प्राप्त दुर्लभ जड़ी-बूटियों का बाजार सजा रहता है। अब तो ये दुकानें कॉर्पोरेट साईज में सेबी पर एनलिस्टिड फर्मों की हैसियत भी रखती हैं और जानलेवा बीमारियों के लिए शर्तिया इलाज वाली दवा-गोलियां धड़ल्ले से बाजार में बेचती हैं। ऐसी दवा खाकर जीवन को पोंजी स्कीमों में निवेश कर देने वालों की इस देश में कमी कोई नहीं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो ऐसी दवाओं को राष्ट्रभक्ति के नाम पर पेट के हवाले कर देते हैं। ऐसा करने का उनके पास तर्क भी है: 'आयुर्वेद का कोई साइड इफेक्ट तो है नहीं!' मेरी नजर में आत्महत्या के लिए इससे बड़ा और कोई कुतर्क नहीं दिया जा सकता। जीवनशैली से संबंधित रोगों के लिए यदि कोई दवा ईजाद हो चुकी होती तो मैं यह दावे से कह सकता हूं कि ऐसे शोध का नवोन्मेष निश्चित ही आयुर्वेद के नाम पर लिखा होता। दुर्भाग्य केवल इस बात का है कि यदि रोग ही खराब जीवन-शैली के कारण उपजा है तो ऐसे रोग की रोकथाम निश्चित तौर पर दवा-गोलियों के

माध्यम से तो नहीं ही की जा सकती।

जीवनशैली में सुधार ही एकमात्र उपाय है। तथा इस सुधार का अर्थ एकाध रोज सांस अंदर-बाहर खींच लेना नहीं। चंद दिनों के सुधार से आप कुछ न हासिल कर पाएंगे। अनुपालन योग्य जीवनशैली को नियम बनाना होगा। पथ्य एवं अपथ्य में भेद करना सीखना होगा। अच्छे और बुरे के चुनाव में विवेकशील होना होगा। संयम एवं सदाचार को अपनाए बिना किसी रोग से मुक्ति नहीं मिल सकती। ऐसा नहीं कि शर्तिया इलाज की समस्या केवल आयुर्वेद दवाओं के व्यापार तक सीमित है। इस देश में जहां जीवन ही व्यापार बन बैठा हो वहां खानपान से लेकर पहनने लगाने तक की प्रत्येक वस्तु को आयुर्वेद का जामा ओढ़ा कर बाजार में बेचने के लिए छोड़ दिया जाता है। आयुर्वेद इतना बिकाऊ पहले कभी न हुआ। सम्मान प्रदान करने योग्य विज्ञान को बाजारू बना डालने के नेपथ्य में हमारी बाजारू मानसिकता का दोष है। किसी भी चल निकलने वाली चीज पर कॉर्पोरेट भाषाई विकर्षण पहला सवाल करता है: 'स्केल कैसे करोगे?'

आयुर्वेद को स्केल मॉडल पर उतारने की एवज में आयुर्वेद की अस्मिता को दांव पर लगा देने वालों को इतिहास कभी क्षमा नहीं करेगा। यह बात तय है। कुछ कथित बाबाओं ने व्यासपीठ पर बैठकर आयुर्वेद की दुकान खोल ली। जनता जनार्दन ने दवाओं की नुमाइश लगाने वालों से कभी मुडक़र सवाल नहीं किया कि दवा की सलाहियत करने की वे योग्यता भी रखते हैं या नहीं! और यह विडंबना किसी एकाध स्थान पर ही घटित नहीं हो रही। किसी भी मठाधीश के आंगन में झांक कर देख लें, दवाओं की दुकान का आयुर्वेदिक नजारा एक समान है। बिजनेस मॉडल भी एक सरीखा है। पहले दूसरे को गाली मारो। दूसरे की भत्र्सना करो। उसके विज्ञान की फजीहत उड़ाओ। और फिर अपना उद्योग खोल लो। मुनाफा कमाना अधर्म नहीं, लेकिन जीवन से खिलवाड़ न हो।

इलैक्टोरल बॉण्ड

चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक करार कर उनसे राजनीतिक दलों को चुनाव फण्डिंग न किए जाने के सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद यह संज्ञान में रहना चाहिए कि कम से कम मान्य चुनावी प्रक्रियाओं के संदर्भ में चुनावी बॉण्ड से मिला धन शुचिता वाला धन न होकर काले धन के समतुल्य ही था। दुखद यह रहा कि जब प्रजातांत्रिक चुनावों में काले धन का वर्चस्व हर बीतते चुनावों के साथ बढ़ता ही जा रहा था, चुनावी बॉण्ड की गुमनामी धनराशि भी उसी रूप में इसमें मददगार भी हो रही थी। जब ये एन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाए करोड़ों रुपयों से राजनीतिक दलों को चुनाव लडऩे में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आए इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा। जब चुनावी फण्डिंग की चुनावी बॉण्ड योजना आई थी, तो संसदीय परम्परा के विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का विचार था कि राजनीतिक दल चुनावों में कालेधन का भारी उपयोग करते हैं। राजनीतिक दलों को इन बॉण्डों को देने वालों का नाम जाहिर करना बाध्यकारी नहीं है, अतः पारदर्शिता का अभाव तो रहेगा ही। जिनका गैर-कानूनी काम किया गया है वे भी तो नेताओं के कहने पर उनके दलों को बॉण्ड दे सकते हैं। फर्जी कम्पनियों के माध्यम से राजनीतिक बॉण्ड खरीदकर राजनीतिक आकाओं के दलों को उपकृत करने की संभावनाओं से भी इन्कार नहीं किया जा सकता।

ऐसा धन राजनीतिक इस्तेमाल के लिए शुचिता वाला धन कैसे हुआ? अक्टूबर 2023 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का बयान था कि इलैक्टोरल बॉण्ड के पहले जो कुछ पारदर्शिता थी वह भी खत्म हो गई। पहले राजनीतिक दलों को बीस हजार रुपए और उससे ज्यादा धन देने वालों की सूची चुनाव आयोग के पास होती थी। वह उनको सार्वजनिक भी करता था, परन्तु इलैक्टोरल बॉण्ड जारी होने के बाद यह अनिवार्यता और पारदर्शिता भी नहीं रही। समाचारों में ही था कि नवम्बर 2023 में जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे, वहां जब्त राशि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले सात गुणा ज्यादा थी। यदि सालों के अंतराल के बाद 31 अक्टूबर 2023 से चुनावी बॉण्ड की वैधता पर पुनः शुरू हुई सुनवाई पूरी होने के बाद भी उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने अपना निर्णय 2 नवम्बर 2023 को सुरक्षित न रखा होता तो शायद नवम्बर 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले चुनावी बॉण्ड जारी भी न होते। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 29 शाखाओं से 29वीं बार 6 नवम्बर से 20 नवम्बर 2023 के दौरान चुनावी बॉण्डों की बिक्री, खरीददारी हुई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो दो नवम्बर के काफी बाद हुए थे, कुछ राजनीतिक दलों को चुनावी बॉण्ड का फायदा मिल ही गया

पहली बार चुनावी बॉण्ड मार्च 2018 में बिके थे। इसके बाद वे विभिन्न सालों में विभिन्न अवधियों में बिकते रहे। अप्रैल 2021 में भी गैर-सरकारी संस्था एडीआर (एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स) ने सुप्रीमकोर्ट में दायर याचिका में तब कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा के चुनावों के पूरे होने तक इलैक्टोरल बॉण्ड की बिक्रियों पर रोक लगाने की मांग की थी, किन्तु बेंच ने उसे खारिज कर दिया। केन्द्र ने एक अप्रैल 2021 से 10 अप्रैल 2021 तक बॉण्ड जारी भी किए थे। अदालत ने टिप्पणी भी की थी कि यह दलील मानना मुश्किल है कि मतदाताओं को राजनीतिक चंदों का स्त्रोत जानने का अधिकार नहीं है। बहरहाल कोर्ट के फैसले का स्वागत है। -(सप्रेस)

-वीरेंद्र पैन्यूली

> जब ये एन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाए करोड़ों रुपयों से राजनीतिक दलों को चुनाव लडऩे में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आए इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा।

अब पाकिस्तान में आटे के लिए नहीं होगी मारामारी ! इस बार गेहूं की बंपर पैदावार का अनुमान

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले साल पाकिस्तान में आटे का भाव आसमान पर पहुंच गया था। लोग आटे के लिए लड़ते-झगड़ते दिख रहे थे। लेकिन इस साल ऐसी नौबत आने की उम्मीद नहीं है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल मौसम गेहूं की फसल के काफी अनुकूल है और भारत के साथ पाकिस्तान में भी बंपर पैदावार दिखेगी। आइए जानते हैं पूरी खबर।

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान, दोनों देशों में इस साल गेहूं की बंपर पैदावार होगी। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक, दोनों देशों में मौसम गेहूं की फसल के काफी अनुकूल है। इससे उन्हें गेहूं का रिकॉर्ड उत्पादन करने में मदद मिलेगी। हालांकि, कृषि वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि पड़ोसी देश के मुकाबले भारत ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने की बेहतर तैयारी की है, जिसका उसे फायदा मिलेगा।

loksabha election banner

पाकिस्तान से कैसे आगे हुआ भारत?

कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, भारत ने गेहूं की कई स्वदेशी किस्में विकसित कर ली हैं। इन पर गर्मी का ज्यादा बुरा असर नहीं होता और ये दूसरी किस्मों के मुकाबले जल्दी पक भी जाती हैं। इससे भारत में गेहूं की पैदावार पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों का ज्यादा नहीं होता। वहीं, पाकिस्तान अभी इस मामले में काफी पीछे है, जिसका असर उसके गेहूं उत्पादन पर भी नजर आता है।

भारत आत्मनिर्भर, पाकिस्तान आयात भरोसे

भारत फिलहाल चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे गेहूं उत्पादक देश है। हम अपनी जरूरत से अधिक गेहूं पैदा कर लेते हैं। भारत का गेहूं उत्पादन 11 करोड़ टन के पार पहुंच गया है। हम सालाना 20 से 70 लाख टन तक गेहूं निर्यात भी करते हैं। वहीं, पाकिस्तान उत्पादक देशों की लिस्ट में आठवें नंबर पर है और अभी भी सालाना 20-30 लाख टन गेहूं आयात करता है।

पाकिस्तान में आटे के लिए मचा था बवाल

पिछले साल पाकिस्तान में आटे की भारी किल्लत हो गई थी। दुनिया का सबसे महंगा खरीद रहे थे वहां के लोग। एक किलो आटे के लिए 160 रुपये से अधिक खर्च करने पड़ रहे थे। पाकिस्तान में आटे की इतनी तंगी हो गई थी कि पैसे होने के बावजूद भी नहीं मिल रहा था। सोशल मीडिया पर कई वीडियो भी वायरल हुए थे, जिनमें लोग आटे के लिए लड़ाई और छीना-झपटी कर रहे थे।

आयात पर क्यों निर्भर है पाकिस्तान?

पाकिस्तान अभी तक जलवायु के हिसाब से गेहूं की स्वदेशी किस्में विकसित नहीं कर पाया है। इससे उसके बीज जलवायु परिवर्तन और दूसरी परेशानियों को मजबूती से नहीं झेल पाते। इसका नतीजा उत्पादन में कमी के रूप में सामने आता है। पिछले साल पाकिस्तान में आटे के लिए लाइन लगने और छीना झपटी की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं।

भारत में कितना रहेगा गेहूं उत्पादन?

भारत और पाकिस्तान, दोनों मुल्कों में गेहूं की कटाई का सीजन चल रहा है। भारत में मौजूदा फसली वर्ष 2023-24 (जुलाई से जून) में गेहूं उत्पादन 11.4 करोड़ टन के नए रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं, पाकिस्तान ने 3.22 करोड़ टन पैदावार का लक्ष्य रखा है। दोनों देश में 2010 से गेहूं की फसल पर जलवायु परिवर्तन के बुरे असर से जूझ रहे हैं। लेकिन, इस साल हालात गेहूं की फसल के काफी अनुकूल हैं।

UPI और PPI में क्या है अंतर, किसका कैसे होता है इस्तेमाल

रिजर्व बैंक ने थर्ड-पार्टी UPI ऐप्स को PPI से लिंक करने का प्रस्ताव दिया है। UPI ट्रांजैक्शन यानी कि एक बैंक अकाउंट से दूसरे बैंक खाते में पैसे डालने के बारे में तो सब जानते हैं। लेकिन PPI के बारे में काफी कम लोगों को जानकारी होती है। आइए जानते हैं कि PPI क्या होता है साथ ही इसमें और UPI में क्या अंतर है।

नई दिल्ली। एक वक्त था, जब हम किराना स्टोर या सब्जीवाले के पास सामान खरीदने जाते थे, तो खुल्ले पैसों की कितनी किल्लत होती थी। अगर दुकानदार को दो-चार रुपये वापस लौटाने पड़ते, तो वह जोर देता कि आप उसके बदले टॉफी या कोई और चीज ले लें। कई बार तो इसे लेकर कहा-सुनी भी हो जाती थी।

लेकिन, डिजिटलीकरण के साथ यह गुजारे जमाने की बात लगने लगी है। अगर आपने 21 रुपये का सामान खरीदा है, तो आप डिजिटल पेमेंट की मदद से पूरे 21 रुपये का भुगतान कर सकते हैं। ना तो आपको दो 10 के नोट के साथ 1 रुपये का खुल्ला देने की चिंता होगी, और ना ही दुकानदार को तीन 10 के नोट मिलने पर 9 रुपये का चेंज लौटाने की।

और यह सब मुमकिन हुआ है PPI (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) और UPI (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिए। आइए जानते हैं कि PPI और UPI में क्या अंतर है और इनका कहां और कैसे इस्तेमाल होता है।

प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स (PPI) क्या है?

PPI असल में ऐसा पेमेंट सिस्टम होता है, जिसमें आप पहले से डाले गए पैसे के जरिए कोई सामान या सर्विस खरीदते हैं या फिर फंड ट्रांसफर करते हैं। PPI सिस्टम अमूमन तीन का तरह होता है। क्लोज्ड, सेमी-क्लोज्ड और ओपन सिस्टम।

क्लोज्ड सिस्टम का मतलब है कि इन PPI का इस्तेमाल उन्हीं जगहों पर हो सकता है, जो इन्हें जारी करते हैं।

JSW एनर्जी ने QIP से जुटाए पांच हजार करोड़ रुपये, जानें शेयरों पर क्या होगा असर

JSW एनर्जी ने शेयर बिक्री के जरिये संस्थागत निवेशकों से पांच हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। ये शेयर अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी ब्लैकरॉक और नोमुरा जैसे संस्थागत निवेशकों को बेचे गए हैं। कंपनी ने दो अप्रैल 2024 को QIP के जरिए पांच हजार करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी थी। आइए जानते हैं कि कंपनी के शेयरों का क्या हाल है।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। JSW एनर्जी ने शेयर बिक्री के जरिये संस्थागत निवेशकों से पांच हजार करोड़ रुपये जुटाए हैं। ये शेयर अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीएआई), जीक्यूजी, ब्लैकरॉक, नोमुरा, वेलिंगटन, यूबीएस जैसे संस्थागत निवेशकों को बेचे गए हैं।

कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि इस राशि का इस्तेमाल पूंजीगत ढांचे और वित्तीय लचीलेपन को बढ़ाने के साथ महत्वाकांक्षी विकास योजना के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किया जाएगा।

कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इसने अपना 5,000 करोड़ रुपये का क्वॉलिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (QIP) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। कंपनी ने दो अप्रैल 2024 को QIP के जरिए पांच हजार करोड़ रुपए जुटाने की मंजूरी दी थी।

QIP को मिला शानदार रिस्पॉन्स

JSW एनर्जी ने कहा कि इस इश्यू में प्रमुख निवेशकों के साथ घरेलू म्यूचुअल फंड और बीमा कंपनियों ने गहरी दिलचस्पी दिखाई। क्यूआईपी में 3.2 गुना से अधिक सब्सक्रिप्शन हुआ। कंपनी ने कहा कि QIP से मिली रकम उसकी पूंजी संरचना को और मजबूत करेगी। इससे कंपनी अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स को जल्दी पूरा कर पाएगी। JSW एनर्जी ने 2010 में लिस्ट होने के बाद पहली बार शेयर बिक्री से रकम जुटाई है। कंपनी ने QIP के लिए शेयर का फ्लोर प्राइस 510 रुपये प्रति शेयर और इंडिकेटिव इश्यू प्राइस 485 रुपये प्रति शेयर तय किया था।

कंपनी QIP से मिले पैसों का इस्तेमाल तीन प्रमुख क्षेत्र में करने की योजना बना रही है। इसमें लोन चुकाना, JSW नियो एनर्जी में निवेश और कॉर्पोरेट के सामान्य उद्देश्य शामिल हैं।

Wipro के सीईओ Thierry Delaporte ने दिया इस्तीफा, अब श्रीनिवास पल्लिया संभालेंगे जिम्मेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

Wipro के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) Thierry Delaporte ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद टेक दिग्गज ने श्रीनिवास पल्लिया को नया सीईओ और प्रबंध निदेशक बनाने का एलान किया है। कंपनी की फाइलिंग में कहा गया है कि बॉर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 6 अप्रैल 2024 से थिएरी डेलापोर्टे के इस्तीफे को नोट कर लिया है। सीईओ श्रीनिवास पालिया 7 अप्रैल से नए सीईओ और प्रबंध निदेशक का पद संभालेंगे।

नई दिल्ली। Wipro के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) थिएरी डेलापोर्टे ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद टेक दिग्गज ने श्रीनिवास पल्लिया को नया सीईओ और प्रबंध निदेशक बनाने का एलान किया है। कंपनी की फाइलिंग में कहा गया है कि निदेशक मंडल ने 6 अप्रैल, 2024 से थिएरी डेलापोर्टे के इस्तीफे को नोट कर लिया है। सीईओ श्रीनिवास पल्लिया 7 अप्रैल से नए सीईओ और प्रबंध निदेशक का पद संभालेंगे।

श्रीनिवास पल्लिया संभालेंगे जिम्मेदारी

Wipro ने श्रीनिवास पल्लिया की तत्काल प्रभाव से नियुक्ति की घोषणा की है। विप्रो ने एक बयान में कहा कि वह थिएरी डेलापोर्टे का स्थान लेंगे, जो पिछले चार वर्षों से विप्रो में एक महत्वपूर्ण पद पर काम कर रहे थे। नई नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए Wipro लिमिटेड के अध्यक्ष रिशद प्रेमजी ने कहा कि श्रीनिवास पल्लिया हमारी कंपनी और इंडस्ट्री के लिए इस महत्वपूर्ण क्षण में विप्रो का नेतृत्व करने के लिए एक अच्छे लीडर हैं।

श्रीनिवास पल्लिया ने क्या कहा?

अपनी नियुक्ति पर टिप्पणी करते हुए श्रीनिवास पल्लिया ने कहा कि Wipro उन कंपनियों में से एक है जो एक खास उद्देश्य के साथ लाभ को जोड़ती है और इस प्रतिष्ठित संस्थान का नेतृत्व करने के लिए चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पल्लिया ने कहा कि वह कंपनी की मजबूत पर काम करने के लिए उत्साहित हैं। कंपनी का कहना है कि अपने पूरे कार्यकाल के दौरान पल्लिया ने विप्रो के परफॉर्मेंस को मजबूत किया है और लगातार कंपनी को आगे बढ़ाया।

कौन हैं Srinivas Pallia?

Wipro की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, श्रीनिवास पल्लिया के पास भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर से इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री और टेक्नोलॉजी में स्नातकोत्तर की डिग्री है। पल्लिया ने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के लीडिंग ग्लोबल बिजनेस प्रोग्राम और मैकगिल कार्यकारी संस्थान के उन्नत नेतृत्व कार्यक्रम को पूरा किया है।

Srinivas Pallia साल 1992 में विप्रो में शामिल हुए थे, इन्होंने कंपनी में कई जरूरी पदों पर काम किया है। पल्लिया कंज्यूमर बिजनेस यूनिट और बिजनेस एप्लिकेशन सर्विस के ग्लोबल हेड का पद भी संभाल चुके हैं।

6 महीने के उच्च स्तर पर कच्चे तेल का दाम, पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर क्या होगा असर?

परिवहन विशेष न्यूज

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल यानी ब्रेंट क्रूड का मूल्य 91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। यह इसका पिछले छह महीने का उच्च स्तर है। इसके चलते अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में पिछले महीने छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आइए जानते हैं कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत में क्या असर हो सकता है।

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल यानी ब्रेंट क्रूड का मूल्य 91 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। यह इसका बीते छह माह का उच्च स्तर है। तेल की कीमतों में इस अचानक और महत्वपूर्ण उछाल ने पूरे वैश्विक वित्तीय बाजारों में हलचल पैदा कर दी है। इससे महंगाई के दबाव की आशंका फिर से पैदा हो गई है और केंद्रीय बैंकरों, नीति निर्माताओं व निवेशकों के बीच गहरी चिंता पैदा हो गई है।

ग्लोबल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का मूल्य अक्टूबर 2023 के बाद से इस स्तर तक नहीं पहुंचा है। अब मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण इसमें तेजी आ रही है। विश्लेषक इस घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का प्रभाव भू-राजनीतिक चिंताओं से कहीं अधिक है और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ रहा है।

अमेरिका में 6 प्रतिशत बढ़ा पेट्रोल का दाम

कोरोना महामारी से उबर रहे अमेरिका में पेट्रोल की कीमतों में अचानक वृद्धि हो गई है। यहां पेट्रोल की कीमतों में पिछले महीने छह प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कीमतों में हालिया उछाल का वित्तीय बाजारों पर तत्काल प्रभाव भी पड़ा है और शेयरों की कीमतों में गिरावट देखी गई है। एसएंडपी 500 सूचकांक अक्टूबर 2023 के बाद से अपने सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन की राह पर है, जो तेल की बढ़ती कीमतों के संभावित आर्थिक प्रभावों पर निवेशकों की बेचैनी का संकेत देता है।

भारत में क्या है पेट्रोल-डीजल का हाल?

ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारतीय बाजार पर अब तक कोई बड़ा असर नहीं दिखा है। सरकार ने पिछले दिनों पेट्रोल और डीजल के दाम में प्रति लीटर 2-2 रुपये की कटौती भी की थी। हालांकि, अब कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों से घरेलू तेल कंपनियों की मुश्किलें भी बढ़ने वाली हैं। लेकिन, देखने वाली बात यह होगी कि सरकार चुनावी साल में पेट्रोल-डीजल का दाम बढ़ाने का जोखिम उठाएगी या नहीं।

होम लोन ले लिया है? अब EMI कम करने के 5 टिप्स भी जान लीजिए

परिवहन विशेष न्यूज

अपना घर लेना हर किसी का सपना होता है। इसके लिए लोग अपने जरूरी खर्चों में कटौती करके भी बचत करते हैं। अगर फिर भी पैसे कम पड़ते हैं तो होम लोन (Home Loan) का सहारा भी लेते हैं। लेकिन होम लोन की EMI पर हर महीने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा खर्च करना पड़ता है। आइए हम बताते हैं EMI कम करने कुछ टिप्स।

नई दिल्ली: हर कोई अपने सपनों का घर बनाना चाहता है। लेकिन, अक्सर हमारे सामने पैसों की समस्या आ जाती है। ऐसे में हम होम लोन (Home Loan) ले लेते हैं। चूंकि, होम लोन की रकम काफी बड़ी होती है, ऐसे में लंबे वक्त तक हमें EMI चुकानी पड़ती है।

अगर आप अधिक EMI की समस्या से परेशान हैं, तो हम बता रहे हैं इसे कम करने का उपाय।

डाउन पेमेंट ज्यादा करें

हमें घर खरीदने से पहले ठीक-ठाक रकम जुटा लेनी चाहिए। इससे हम ज्यादा डाउन पेमेंट कर पाएंगे और EMI का बोझ अपनेआप एक हद तक कम हो जाएगा। कोशिश करें कि मकान की कुल कीमत का करीब 25 प्रतिशत हिस्सा डाउन पेमेंट कर दें।

मिसाल के लिए, आप 40 लाख का घर ले रहे हैं, तो 10 लाख रुपये डाउन पेमेंट करें। इससे आप लोन वापस करने की अवधि और EMI को अपनी सहूलियत के हिसाब से कम या ज्यादा करवा सकते हैं।

प्री-पेमेंट भी अच्छा विकल्प

EMI कम करने के लिए प्री-पेमेंट भी अच्छा ऑप्शन है। जब भी आपको अतिरिक्त पैसा मिले, तो उससे प्री-पेमेंट कर दें। इससे लोन का प्रिंसिपल अमाउंट कम हो जाएगा और आपकी EMI के साथ कर्ज की अवधि भी घट जाएगी। लोन की अवधि कम होने से आपकी टेंशन कम होगी, और आपको बैंक को ब्याज भी कम चुकाना पड़ेगा।

होम लोन ट्रांसफर करें

अगर आपको होम लोन चुकाते हुए कुछ साल हो गए हैं और आपका री-पेमेंट रिकॉर्ड अच्छा है, तो आप अपना लोन किसी ऐसे लेंडर के पास ट्रांसफर करवा सकते हैं, जो कम ब्याज दर दे रहा है। इसे कहते हैं होम लोन बैलेंस ट्रांसफर। हालांकि, लोन ट्रांसफर करने से पहले अतिरिक्त लागतों का हिसाब जरूर लगा लें। जैसे कि प्रोसेसिंग फीस और फोरक्लोजर फीस।

जेपी नड्डा समेत छह नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसदों ने ली शपथ

परिवहन विशेष न्यूज

शनिवार को नवनिर्वाचित सांसदों ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। इनमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत कुल छह चेहरे शामिल हैं।

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राज्यसभा के पांच अन्य नवनिर्वाचित सदस्यों ने शनिवार को शपथ ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी को शपथ दिलाई।

इन नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

शपथ लेने वाले अन्य सदस्यों में गुजरात से जेपी नड्डा, महाराष्ट्र से अशोकराव शंकरराव चव्हाण, राजस्थान से चुन्नीलाल गरासिया, तेलंगाना से अनिल कुमार यादव मंडाडी, पश्चिम बंगाल से सुष्मिता देव और मोहम्मद नदीमुल हक शामिल हैं। भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। उप राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा एक्स पर शपथ ग्रहण समारोह की तस्वीरें साझा की गई हैं।

निर्विरोध चुने गए थे नड्डा

जेपी नड्डा ने हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर इस्तीफा दे दिया था। वह गुजरात से राज्यसभा के सांसद बने रहेंगे। बता दें कि राज्यसभा चुनाव में जेपी नड्डा ने गुजरात से निर्विरोध चुने गए थे। जेपी नड्डा उन 57 राज्यसभा सांसदों में एक हैं जिनका कार्यकाल अप्रैल महीने में समाप्त हो गया था। अब उन्होंने गुजरात सीट से राज्यसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली है। बता दें कि राज्यसभा के लिए गुजरात से भाजपा के चार सांसद चुने गए हैं। इनमें पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा, मयंक नायक, जसवन्तसिंह परमार और गोविंदभाई ढोलकिया शामिल हैं

नड्डा के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ेगी भाजपा

बता दें कि जगत प्रकाश नड्डा उन 41 प्रत्याशियों में शामिल थे, जिन्होंने राज्यसभा चुनावों में निर्विरोध जीत हासिल की। मालूम हो कि भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के तौर पर जेपी नड्डा का कार्यकाल जून तक बढ़ा दिया गया है। यह पहली बार होगा जब भाजपा जेपी नड्डा के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव लड़ेगी।

लोकसभा सह प्रभारी राठौड़ ने ली बीजेपी मीडिया, सोशल मीडिया, आईटी टीम की बैठक

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के भीलवाड़ा लोकसभा शहर प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़ ने भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, लोकसभा संयोजक शक्ति सिंह कालियास, पूर्व जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाड़ा, जिला महामंत्री भगवती प्रसाद जोशी, जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोटरास की उपस्थिति में लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तहत भाजपा जिला कार्यालय पर मीडिया सोशल मीडिया एवं आईटी टीम की बैठक ली।

राठौड़ ने बैठक में आइटी विभाग के सदस्यों को बूथ स्तर तक के मतदाताओं एवं पार्टी के मध्य संपर्क बनाने के दिशा निर्देश दिए। सोशल मीडिया विभाग को पार्टी एवं प्रत्याशी से जुड़ी प्रचार सामग्री व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं एक्स के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की बात कही। वहीं मीडिया विभाग के माध्यम से संगठन के समाचार लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ तक होते हुए आमजन तक वृहद स्तर पर पहुंचने पर संतोष जताया। बैठक में मीडिया विभाग से जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया, आइटी विभाग से जिला संयोजक अजय नौलखा, सह संयोजक दीपक पांडे, सोशल मीडिया विभाग से जिला संयोजक अजीत सिंह केसावत, सहसंयोजक मीनाक्षी नाथ, रागिनी गुप्ता, आकाश मालावत उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला कार्यालय पर ही सभी मोर्चा अध्यक्षों एवं संयोजकों के साथ साथ सभी मंडल अध्यक्षों की भी प्रथक बैठके आयोजित कर लोकसभा चुनाव के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

दाधीच महिला मण्डल ने धूम-धाम से मनाया गणगौर उत्सव

परिवहन विशेष न्यूज

बेंगलूरू: मागड़ी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में शनिवार को दाधीच महिला मण्डल के तत्वाधान में गणगौर महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें गणगौर पूजा, गीत, ढोल नृत्य, एकल नृत्य एवं ग्रूप नृत्य का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में कुल 90 महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश पूजन से हुआ। इसर गणगौर बने पूजा, माधुरी एवं बच्चे प्यारे लग रहे थे। सभी उपस्थित महिला एवं बच्चों ने कार्यक्रम का बहुत ही आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की अध्यक्षता प्रमिला शर्मा द्वारा किया गया। समाज की वरिष्ठ सर्वे सर्वा सरोजा ओझा, कर्नाटक महिला प्रकोष्ठ की सूषमा आसोपा, पूर्व अध्यक्ष रेखा सुंठवाल, सरस्वती बिसावा, गणगौर अध्यक्ष पुष्पा तिवारी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। समाज की संस्थापिका सरोजा व्यास ने विडियो काल से कार्यक्रम की बधाई दी।बुल्लू जी दाधीच सुषमा आसोपा का स्वागत किया गया। तंबोला का आयोजन भी गणगौर थीम पर सारीका पलोड एवं वंदना जोशी ने किया। इस अवसर पर सरिता आसोपा, शशि ओझा,चंद्रकाता डोबा, सरोज जोशी, रेशमा व्यास, कुसुम दायमा, मीना जोशी, बरखा जोशी, पद्मावती इटोदिया एवं रेणु जोशी आदि का कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग रहा। कार्यक्रम में सभी को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में दाधीच समाज की अनेक गणमान्य महिलायें एवम्-कोलर से भी महिलायें एवेम बचे उपस्थित थे।

ओडिशा में दो सड़क हादसे, चार लोगों की मौत; ठाणे में 26 लाख का अवैध तंबाकू जब्त

परिवहन विशेष न्यूज

हादसा जाजपुर जिले में हुआ, जिसमें पिता-पुत्र की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सैंदा जेना और उनके बेटे मुना जेना के रूप में हुई। दोनों एक रिश्तेदार के यहां से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

नई दिल्ली। भाजपा आज अपना 44वां स्थापना दिवस मना रही है। इस मौके पर पार्टी के कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में पार्टी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी और पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ताओं को सैल्यूट पेश किया।

अमित शाह ने लिखा कि 'सभी कार्यकर्ताओं को भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की अनंत शुभकामनाएं। भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाने की यात्रा में अपना जीवन समर्पित करने वाले असंख्य कार्यकर्ताओं का वंदन करता हूं। संगठन के प्रति अटूट समर्पण, काम के प्रति निष्ठा से दिन रात देशवासियों की आशा और आकांक्षा को सशक्त बनाया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा गरीब कल्याण, सांस्कृतिक विरासतों के पुनर्निर्माण का पर्याय बनकर भारत के निर्माण में सहयोग दे रही है।'

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी दी बधाई

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर साझा पोस्ट में लिखा कि 'भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं को सादर नमन, जिन्होंने अपने त्याग, समर्पण और मेहनत से संगठन को राष्ट्रव्यापी विस्तार प्रदान किया। सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। पीएम मोदी के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता विकसित भारत निर्माण का संकल्प लेकर विजय पथ पर अग्रसर हैं।'

झारखंड में भाजपा की नेता सीता सोरेन ने कहा, 'मैं दुर्गा सोरेन की मृत्यु की जांच की मांग करती हूं। उनकी मौत संदेहास्पद स्थिति में हुई है, मैंने JMM में रहकर यह मुद्दा कई बार उठाया लेकिन वहां हमारी बातों को टाल दिया जाता था। हम उनकी मृत्यु की जांच की मांग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में हमारी सरकार बन रही है... सभी चीज़ों की जांच होगी... 14 की 14 लोकसभा सीटें हम जीतेंगे।'

डीआरआई ने जब्त किया पांच किलो सोना

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने तटरक्षक बल और कस्टम विभाग के साथ संयुक्त ऑपरेशन चलाकर तमिलनाडु में समुद्र से करीब पांच किलो सोना जब्त किया है। यह सोना श्रीलंका से अवैध रूप से भारत लाया जा रहा था। डीआरआई ने 5 अप्रैल को बयान जारी कर यह जानकारी दी। इस ऑपरेशन में मंडपम में वेधालाई तट पर एक नौका से यह अवैध सोना जब्त किया। इस मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ चल रही है।

महाराष्ट्र में पुणे के पिंपरी चिंचवाड़ इलाके में एक बड़ा हादसा हुआ है। दरअसल यहां आग लगने से स्क्रैप की करीब 150 दुकानें जलकर खाक हो गई हैं। आग बीती रात करीब डेढ़ बजे लगी। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है।

ओडिशा में सड़क हादसे में चार की मौत

ओडिशा में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई, वहीं 15 लोग घायल हुए हैं। एक हादसे में गंजम जिले के सोमपुर स्कवायर में एक पिकअप गाड़ी पलट गई। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। मरने वाले लोग डांडा नाटा (लोककला) ग्रुप के सदस्य थे। ये लोग एक शो में हिस्सा लेकर दो पिकअप गाड़ियों में खेती बेरहमपुर लौट रहे थे। उसी दौरान हादसा हो गया। दूसरा हादसा जाजपुर जिले में हुआ, जिसमें पिता-पुत्र की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सैंदा जेना और उनके बेटे मुना जेना के रूप में हुई। दोनों एक रिश्तेदार के यहां से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिसमें दोनों की मौत हो गई।

ठाणे में 26 लाख रुपये का अवैध तंबाकू जब्त

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में पुलिस ने 26.28 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त किए और एक टेम्पो चालक को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि अपराध शाखा की एक टीम ने गुरुवार दोपहर शहर के प्रवेश द्वार पर टेम्पो को रोका और वाहन में छिपाकर रखा गया मादक पदार्थ बरामद किया। उन्होंने बताया कि टेम्पो चालक रामकृत लट्टू यादव (40) को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने कहा कि चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और एफडीए नियमों की संबंधित धाराओं के तहत पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है।

केरल : पशुचिकित्सा छात्र की मौत की जांच सीबीआई करेगी

पशु चिकित्सा छात्र सिद्धार्थन जेएस (20) की मौत की जांच सीबीआई करेगी। सिद्धार्थ का शव 18 फरवरी को वायनाड जिले में कॉलेज छात्रावास के बाथरूम के अंदर लटका हुआ मिला था। सिद्धार्थन के परिवार ने आरोप लगाया था कि उनके बेटे के साथ रैगिंग की गई थी। इसमें सीपीआई-एम के छात्र संगठन एसएफआई के कार्यकर्ता भी शामिल थे। उन्होंने सीबीआई जांच की मांग की थी।

दूसरी तरफ, जांच एजेंसी ने इस संबंध में केंद्र सरकार की ओर से आदेश मिलने के कुछ ही घंटों के भीतर शुक्रवार देर रात 20 लोगों के खिलाफ वायनाड के विथिरी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज किया। सभी आरोपियों के खिलाफ आपराधिक साजिश, आत्महत्या के लिए उकसाना, गलत तरीके से रोकना, स्वेच्छा से चोट पहुंचाना और केरल के रैगिंग विरोधी कानून से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रक्रिया के मुताबिक सीबीआई ऐसे राज्य संदर्भित मामलों में स्थानीय पुलिस की एफआईआर को दोबारा दर्ज करके जांच शुरू करती है।

अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई की एक टीम फोरेंसिक टीम के साथ जल्द ही राज्य का दौरा करेगी। बता दें कि राजनीतिक हंगामे के बाद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 9 मार्च को सीबीआई जांच का आश्वासन दिया था।

यौन उत्पीड़न के आरोप में असम पुलिस का अधिकारी बर्खास्त

असम पुलिस सेवा (एपीएस) के एक अधिकारी को दरांग जिले में एक लड़की के यौन उत्पीड़न और हत्या से संबंधित मामले में सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है और भविष्य में रोजगार के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया है। डीजीपी जीपी सिंह ने शनिवार को कहा कि असम पुलिस में कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का अनुसरण किया जाता है। ऐसे में राज मोहन रे एपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक दरांग को सेवा से बर्खास्तगी का दंड दिया गया है, जो आमतौर पर भविष्य के रोजगार के लिए अयोग्य होगा। बता दें कि 13 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न और हत्या के समय राज मोहन दरांग जिले के एसपी थे। वारदात के दो महीने बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने लड़की के परिवार से मुलाकात की निर्देशों के अनुसार, शव को कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम किया गया, जिसमें पीड़िता के साथ यौन उत्पीड़न और हत्या की पुष्टि हुई।

आंध्र प्रदेश मे भालू की हत्या करने वाले चार लोग गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश में एक स्लॉथ भालू को बिजली से मारने और उसके शव के कुछ हिस्सों को अपने पास रखने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले में नंदयाला जिले के आत्मकुरु वन प्रभाग के वन अधिकारियों ने एन येसुरत्नम, एम शिकामणि, वी मनु सद्गुण राव और एन साई कुमार को गिरफ्तार किया है। वन विभाग द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि शुक्रवार की सुबह एक गुप्त सूचना के आधार पर, दो आरोपियों शिकमणी और राव को आत्मकुरु में सूर्या गार्डन लॉज के पास से पकड़ा गया। उनके पास से भालू के कई कटे हुए अंग बरामद हुए। वन अधिकारियों के अनुसार, 10 दिन पहले कोठापल्ली मंडल के शिवपुरम गांव में कृषि क्षेत्र में आरोपियों ने भालू को बिजली का झटका देकर मार डाला था। उनका इरादा इसके अंगों को कामोत्तेजक के रूप में इस्तेमाल करने का था। चारों आरोपियों को शनिवार को आत्मकुरु कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें रिमांड पर लिया गया।

आईएनएस शारदा को मिला 'ऑन-द-स्पॉट यूनिट प्रशस्ति पत्र'

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने समुद्र में समुद्री डकैती रोधी अभियानों के सफल संचालन के लिए आईएनएस शारदा को 'ऑन-द-स्पॉट यूनिट प्रशस्ति पत्र' से सम्मानित किया है। भारतीय नौसेना द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि जहाज ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज ओमारी के सभी 19 चालक दल के सदस्यों की सुरक्षित रिहाई में शामिल था। ओमारी को सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डाकुओं ने बंधक बना लिया था। त्वरित और निर्णायक कार्रवाई के परिणामस्वरूप अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज और उसके चालक दल को सोमाली समुद्री डाकुओं से बचाया गया। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि समुद्री डकैती रोधी अभियानों के लिए तैनात जहाज और मिशन के अथक प्रयास ने हिंद महासागर क्षेत्र में नाविकों की सुरक्षा बढ़ाने के भारतीय नौसेना के संकल्प को बरकरार रखते हुए समुद्र में बहुमूल्य जिंदगियां बचाईं।

दक्षिण पश्चिमी बंगाल में तेज गर्जना के साथ बारिश की संभावना

दक्षिणी पश्चिम बंगाल के लोगों को प्रचंड गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग ने शनिवार को उत्तरी बांग्लादेश के ऊपर एक चक्रवात बनने के कारण गरज के साथ बारिश होने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने कहा कि क्षेत्र के कई जिलों में लू की स्थिति बनी हुई है। पानागढ़ में राज्य में सबसे अधिक तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद बांकुरा में 41.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तरी बांग्लादेश के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण और बंगाल की खाड़ी से नमी के कारण सोमवार तक इस क्षेत्र में और उत्तरी पश्चिम बंगाल में बुधवार तक बिजली और तेज हवा के साथ तूफान आने का अनुमान है।

दिल्ली:शिशु ट्रैफिकिंग का भंडाफोड 7-8 बेबी रेस्क्यू,अस्पताल वार्डबॉय ,स्टाफ भी गैंग में शामिल

परिवहन विशेष। एस.डी.सेठी।

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो आफ इनवेस्टिगेशन (सीबीआई) ने शिशुओं की चोरी की सूचना पर दिल्ली के केशव पुरम इलाके में छापेमारी कर मानव ट्रैफिकिंग गैंग को बेनकाब किया है। सीबीआई ने इस गैंग के ठिकाने से 36 घंटे और 15 दिन के नवजात बच्चों को रेस्क्यू किया है। इस मामले में सीबीआई अधिकारियों ने 7-8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकडे गए आरोपियों से पूछताछ जारी है। आरोपियों से मिली सूचना के बाद सीबीआई इस मामले में दूसरे राज्यों में भी छापेमारी कर रही है। बता दें कि दिल्ली के केशव पुरम इलाके में शुक्रवार को शाम उस वक्त पूरे इलाके में सनसनी फैल गई जब सीबीआई और पुलिस की टीम एक घर में छापा मारने पहुंची। दो दिनों तक चली रेड के बाद सीबीआई ने मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड करते हुए 7 से 8 नवजात बच्चों का रेस्क्यू किया है।

हैरानी की बात है कि रेस्कयू किये गए नवजात शिशुओं की उम्र सिर्फ 36 घंटे से लेकर 15 दिन की बताई जा रही है। सीबीआई ने दिल्ली एनसीआर से भी कई आरोपियों को दबोचा है। ऐजेंसी ने द्वारका,रोहिणी, समेत उत्तर पश्चिम दिल्हली से लेकर हरियाणा के सोनीपत से नीरज को पकडा है।इनमें अस्पताल के दो वार्ड बॉय समेत अन्य स्टाफ को भी दबोचा है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन से अस्पतालों से नवजात बच्चों की चोरी की शिकायतें मिल रही थी। सीबीआई की पूछताछ में पता लगा है कि लडकी को 1.5 से 2 लाख रूपये में लडके के लिए 6 लाख रूपये में सौदा किया जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रियल मां या सरोगेट मां से नवजात शिशुओ का सौदा करते थे।यह हैरानी की बात है कि शिशु चोरी से लेकर बेचने तक में अस्पताल के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। जिसमें दो वार्डबॉय समेत महिलाओ को भी सीबीआई ने पकडा है। सीबीआई इस पूरे नेटवर्क को भेदने के लिए अन्य राज्यों में भी छापेमारी कर रही है। अभी सीबीआई इस पूरे नेटवर्क के मास्टर मांइड तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इस बावत पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जगह-जगह छापेमारी जारी है।पकडे गए अस्पताल स्टाफ से पूछताछ के बाद इस गैंग के मास्टर मांइड तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। इस बच्चा चोर गैंग के तार एनसीआर के अलावा अन्य राज्यों तक अपनी जडें जमा चुके है। इस बावत छापेमारी की कारवाई गिरोह के एक-एक शख्स तक पहुंचने में अभी वक्त लग सकता है। दरअसल बच्चा चोरी में शामिल खरीददार से लेकर बेचने वालो की पूरी कुंडली खंगाला जा रही है। अभी तक इस गैंग ने कितने बच्चों की चोरी कर ठिकाने लगा दिया है। फिलहाल तफ्तीश जारी है।

भाजपा ने उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया 45वां स्थापना दिवस

पार्टी के विशाल स्वरूप के हकदार भाजपा के सभी कार्यकर्ता है - राठौड़

परिवहन विशेष न्यूज

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी का 45 वा स्थापना दिवस जिले भर में बूथ स्तर तक उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिले की सभी विधानसभाओं एवं मंडलों में ध्वजारोहण के साथ-साथ कार्यकर्ताओं ने घर-घर ध्वज लगाए एवं पीएम मोदी के स्टीकर एवं केंद्र सरकार की उपलब्धियों के पत्रक वितरित किए। जिला मुख्यालय पर भाजपा कार्यालय में लोकसभा सह प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़, सांसद सुभाष बहेड़िया के मुख्य आतिथ्य, जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं विधायक अशोक कोठारी के सानिध्य में ध्वजारोहण कर पार्टी का स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में लोकसभा सह प्रभारी गजपाल सिंह राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का जो विशाल स्वरूप आज सभी के सामने है उसके असली हकदार पार्टी के कार्यकर्ता ही है। ये ही कार्यकर्ता यदि ठान ले तो भाजपा और एनडीए को इस बार 400 पार ले जाने और नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के रूप में पुनर्स्थापित करने से कोई नहीं रोक सकता। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर भीलवाड़ा की देश में सबसे बड़ी जीत ही पार्टी को सबसे बड़ा तोहफा होगा। विधायक अशोक कोठारी ने कहा कि आज सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना से कार्य कर रही भारतीय जनता पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बन दिशा प्रदान कर रही है। समारोह में पूर्व जिलाध्यक्ष एल एन डाड, पूर्व जिला प्रमुख शक्तिसिंह हाड़ा, जिला महामंत्री राजकुमार आंचलिया में भी विचार रखे। संचालन जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद त्रिपाठी ने किया। आभार जिला उपाध्यक्ष छैलबिहारी जोशी ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल आचार्य, मंजू चेचाणी, जिला मंत्री सुरेंद्र सिंह मोटरास, गोपाल तेली, अमित सारस्वत, अमरसिंह चौहान, विधानसभा संयोजक अनिल जैन, अशोक तलाइच, मंडल अध्यक्ष मनीष पालीवाल, पीयूष डाड, अनिल सिंह जादौन, घनश्याम संगीवाल, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष मंजू पालीवाल, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष कुलदीप शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष इमरान कायमखानी, मनोज बुलानी, महावीर समदानी, अजीत सिंह केसावत, अजय नौलखा, मीनाक्षी नाथ, मुकेश चेचाणी, नंदलाल गुर्जर, कल्पेश चौधरी, विजय लड्ढा, गोपाल सोनी, किशोर सोनी, सीपी जोशी, राहुल सोनी, पंकज प्रजापत, लवकुमार जोशी, आरती कोगटा, मधु शर्मा, इंदु टांक, रेखा पुरी, नेहा नागर सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023